नई दिल्ली
शुक्रवार
06 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 63
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158



दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो ने की संन्यास की....पेज-06

रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गांवों का समग्र...पेज-05

एक नजर

चारधाम यात्रा पर निकले सूरत के परिवार की कार गंगा में गिरी, चार की मौत, दो लापता

सूरत,एजेंसी। गुजरात के सूरत से चारधाम यात्रा पर निकले एक परिवार के लिए उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हुई सड़क दुर्घटना बेहद दर्दनाक साबित हुई। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी के पास गुरुवार सुबह एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरते हुए गंगा नदी में जा समाई। हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग लापता हैं। एक युवक गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, कार में चालक समेत सात लोग सवार थे। सभी गुजरात के रहने वाले थे और 31 अक्टूबर को सूरत से चारधाम यात्रा के लिए निकले थे। दुर्घटना गंगनानी में गर्मकुंड से करीब 20 मीटर आगे डबरानी की ओर हुई। उस समय कार गंगोत्री नेशनल हाईवे से गुजर रही थी। मृतकों में सूरत निवासी अशोकभाई पटेल, उनकी पत्नी सुधाबेन पटेल, बेटी रुतिका पटेल और कार चालक सुरेंद्र सिंह शामिल बताए गए हैं। अशोकभाई के पुत्र वेदांत पटेल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं, किरणबेन पटेल सहित दो लोगों के नदी के तेज बहाव में लापता होने की जानकारी है। मृतकों की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। सूरत की शिवालिक रेजिडेंसी में रहने वाले अशोकभाई पटेल के घर हादसे की खबर पहुंचने पर पड़ोसियों ने बताया कि परिवार के लोग गंगोत्री में दर्शन कर चुके थे। एक पड़ोसी के अनुसार, जब परिवार गंगोत्री में था, तब उन्होंने दर्शन भी किए थे। पड़ोसी ने यह भी बताया कि हादसे के बाद जब वे अशोकभाई के निवास पर पहुंचे तो घर बंद मिला। परिवार के लोगों के उत्तरकाशी में हादसे का शिकार होने की खबर से आसपास के लोग स्तब्ध हैं। उत्तरकाशी जिला आपदा प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक गंगोत्री नेशनल हाईवे के पास सात लोगों से भरी इनोवा कार खाई में गिर गई थी। हादसे में चालक समेत चार लोगों की मौत हुई है, दो लोग लापता हैं और एक घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, जल पुलिस और गोताखोरों की टीमें मौके पर पहुंचीं। नदी से चार शव बरामद किए गए हैं। लापता लोगों की तलाश जारी है। बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए मनेरा से एनडीआरएफ की 27 सदस्यीय टीम भी रवाना की गई है। प्रशासन ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली-एनसीआर में सांसों का संकट, हवा हुई दमघोंटू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने आज सुबह इंडिया गेट के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक ((एक्यूआई) 399 दर्ज किया है। यह 'बहुत खराब' श्रेणी है। दिवाली का त्योहार सिर पर है। लोगों ने शाम ढलते ही पटाखे चलाने शुरू कर दिए हैं। यह तब है. जब उच्चतम न्यायालय पटाखों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। शासन और अधिकारियों की आंखों में पट्टी बंधी हुई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। सीपीसीबी के आज सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, सुबह इंडिया गेट के आसपास के इलाके में वायु गुणवत्ता सूचकांक 399 दर्ज किया गया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक का यह स्तर 'बहुत खराब' की श्रेणी में आता है। यह स्थिति दिल्ली के वातावरण में बढ़ते प्रदूषण को दर्शाती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी के कई इलाकों में हवा 'बहुत खराब' और 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई है। यह स्थिति चिंताजनक है। आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली एम्स के आसपास के इलाके में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल से बातचीत की

114 पदक आपके परिश्रम की पराकाष्ठा का परिणाम हैः मोदी



नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एशियाई पैरा गेम्स 2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ हफ्ते पहले एशियाई खेलों के दल से मिलने के बाद, वे पैरा-एशियाई खेलों के खिलाड़ियों से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन यह दर्शाता है कि भारत बड़ी वैश्विक खेल शक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है। 140 करोड़ नागरिकों की ओर से खिलाड़ियों को बधाई देते हुए और उनके परिवारों, प्रशिक्षकों तथा कोचों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने न केवल बड़े मंच पर पदक जीते हैं, बल्कि पूरे देश में करोड़ों लोगों का दिल भी जीता है।

प्रधानमंत्री ने अतीत के उन युगों का जिक्र किया जब खेलों में भारत की भागीदारी को केवल एक औपचारिकता माना जाता था और पैरा-खेलों में देश काफी पीछे था—उदाहरण के लिए, 2010 के पैरा-एशियाई खेलों में भारत ने केवल एक स्वर्ण सहित कुल 14 पदक जीते थे। इसके विपरीत, उन्होंने इस दल की 114 पदकों तक की ऐतिहासिक छलांग पर बल दिया। इन 114 पदकों में 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल हैं। इसके साथ ही, खिलाड़ियों ने पांच विश्व रिकॉर्ड और नौ एशियाई रिकॉर्ड भी बनाए हैं। 56 महिला एथलीटों में से 34 ने पदक जीते, भारतीय खिलाड़ियों ने चार स्पर्धाओं में पोडियम के तीनों स्थानों पर कब्ज़ा किया, और अकेले अंतिम दिन ही भारतीय दल ने नौ स्वर्ण पदक हासिल किए। प्रधानमंत्री ने टूर्नामेंट के अंत तक जीतते रहने के उनके निरंतर जज़्बे की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '14 से 114 पदकों तक की यह यात्रा आपके कड़े परिश्रम की पराकाष्ठा का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने उन कई स्पर्धाओं का विशेष ज़िक्र किया, जिनमें भारतीय एथलीटों ने पहली बार स्वर्ण पदक जीते—जबकि इससे पहले देश को इन स्पर्धाओं में कभी सफलता नहीं मिली थी। उन्होंने बताया कि मोना अग्रवाल ने पैरा शूटिंग में विश्व कीर्तिमान बनाया, जबकि हनी ने अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। श्री मोदी ने कहा, 'हिमांशु, रवि और जेहान ने अपने प्रदर्शन के ज़रिए दुनिया को दिखा दिया कि शारीरिक चुनौतियों को कैसे मात दी जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भले ही किसी व्यक्ति या समूह की जीत की चमक देखती है, लेकिन सफलता की यह विशाल इमारत वर्षों की उस कड़ी मेहनत, पसीने और अटूट तपस्या पर टिकी होती है जो किसी को दिखाई नहीं देती। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे एथलीट रिंकू ने एशियन पैरा गेम्स से ठीक दो महीने पहले अपनी माँ को खोने के बावजूद अपना साहस बनाए रखा और स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनकी तस्वीर उठाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'उस पल ने हम सभी को भावुक कर दिया। एथलीटों के संघर्ष और जीत को बेहद प्रेरणादायक बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी व्यक्तिगत यात्रा और देश के विकास की यात्रा में काफी समानता है। श्री मोदी ने कहा, 'आज आपके प्रयास और देश के प्रयास मिलकर ऐसी शक्ति बन रहे हैं, जिसे कोई रोक नहीं सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह एथलीटों ने मुश्किलों के आगे हार नहीं मानी, उसी तरह देश ने भी अपनी व्यवस्था में बड़े बदलाव करने का संकल्प लिया, ताकि युवाओं की प्रतिभा बेकार न जाए। इससे युवा खिलाड़ियों में यह भरोसा जगा है कि देश पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

दिल्लीः चावड़ी बाजार इमारत हादसे में दो लोगों की मौत

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में गुरुवार सुबह निर्माणाधीन तीन मंजिली इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे की जांच कराने और ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने घटना स्थल पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ गृहमंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने संबंधित जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर को तत्काल निलंबित करने और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने और प्रभावित परिवारों को तत्काल अनुग्रह राशि प्रदान करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीमें मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावित परिवारों को तुरंत मदद पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। हर नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि जिम्मेदारी संपत्ति मालिकों की भी है। इनमें से कई गलियां मुश्किल से दो से तीन फुट चौड़ी हैं, जिससे आवागमन बेहद मुश्किल हो जाता है। नियमों का खुलेआम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। एनडीआरएफ ने घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान चलाया। दिल्ली पुलिस के अनुसार इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है और चार घायल हैं। डीसीपी सेंट्रल रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि यहां इमारत का निर्माण चल रहा था। इस दौरान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिए जांच के आदेश



स्लैब डालते समय इमारत गिर गई। इमारत बुरी तरह धंस गई है और आसपास की इमारतों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। गिरी हुई इमारत के बगल वाली इमारत भी खतरनाक स्थिति में है। एनडीआरएफ टीम मलबे में फंसे लोगों की निकाला रही है। तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो की मौत हो गई है। बचाव अभियान जारी है। निर्माणकर्ताओं की पहचान हो गई है। हम फिलहाल उनकी तलाश कर रहे हैं। यह अवैध निर्माण कार्य यहां चल रहा था और हमने इस संबंध में नगर निगम एजेंसियों को पहले ही पत्र भेज दिया था। हम इस पर कार्रवाई कर रहे थे, लेकिन काम अभी तक नहीं रोका गया था। घटना के समय 10-15 मजदूर मौजूद थे। सीताराम बाजार वार्ड नंबर 78 की पार्षद रफिया माहिर ने इलाके में इमारत गिरने की घटना पर कहा कि सुबह 9:50 बजे यह इमारत गिर गई। यहां अवैध निर्माण कार्य चल रहा था, जिसके बारे में हमने पिछली बैठक में स्थायी समिति और महापौर को पहले ही बता दिया था।

दिल्ली में मौसम साफ रहने और दक्षिण भारत में बारिश के आसार

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई हिस्सों में मौसम ने करवट ली है। एक तरफ दिल्ली-एनसीआर में आसमान साफ रहने के साथ हल्की ठंड की शुरुआत हो रही है, वहीं दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में चक्रवाती परिसंचरण और निम्न दबाव प्रणालियों के प्रभाव से अगले चार-पांच दिनों में बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली और आसपास के इलाकों में इन दिनों मौसम सुहाना बना हुआ है। आने वाले दिनों में तापमान में हल्की गिरावट होने के आसार हैं। शुक्रवार से रविवार तक मौसम मुख्य रूप से साफ रहने के आसार हैं। सुबह के समय कुछ जगहों पर हल्का कोहरा या धुंध छाने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

आईएमडी के मुताबिक पूर्वी तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर बना दबाव कमजोर होते-होते अब एक निम्न दबाव क्षेत्र में बदल चुका है, लेकिन इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण निचले वायुमंडल में सक्रिय है। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में पश्चिमी विक्षोभ और अन्य चक्रवाती परिसंचरण बने हुए हैं, जिसके प्रभाव से बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 6 एवं 9-11 नवंबर के दौरान बारिश के आसार हैं। वहीं 7-8 नवंबर के दौरान यहां काफी व्यापक बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर 6-11 नवंबर के दौरान भारी बारिश भी हो सकती है। तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, केरल, माहे और रायलसीमा में 6-11 नवंबर के दौरान कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। केरल और माहे में 6 से 8 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। कर्नाटक और तेलंगाना में 6-7 नवंबर के दौरान बारिश के साथ-साथ कुछ स्थानों पर 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए केंद्र सरकार का संयुक्त परामर्श जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश के ग्रामीण इलाकों में चारे की कमी को दूर करने, पशुधन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और ग्रामीण आजीविका को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण विकास विभाग (डीओआरडी) तथा पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने संयुक्त रूप से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक परामर्श जारी किया है। मंत्रालय के अनुसार यह परामर्श 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के तहत अंतर-विभागीय अभिसरण के माध्यम से लागू की जाएगी। इसमें एक जुलाई 2026 से लागू हुए वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वर्ष 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाती है।

अंतरिक्ष मलबा हटाने की तकनीक विकसित करने में भारत अग्रणीः डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सक्रिय अंतरिक्ष मलबा हटाने (एक्टिव डेब्रिस रिमूवल) की दिशा में भारत की उभरती क्षमताएं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में देश के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व और पूरी मानवता के लिए सुरक्षित अंतरिक्ष वातावरण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने वर्ष 2030 तक अंतरिक्ष को मलबा मुक्त बनाने का लक्ष्य लिया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन से वर्चुअल माध्यम से हैदराबाद में कॉसमोसर्व स्पेस की 'बेस-1' सुविधा का उद्घाटन किया। गाचीबोवली स्थित वीएसडी टेक पार्क में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और कॉसमोसर्व स्पेस के संस्थापक एवं सीईओ डॉ. चिरंजीवी फणींद्र मौजूद रहे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि लगभग 14,800 वर्ग फुट में फैली बेस-1



अत्याधुनिक और व्यापक सुविधा है। यहां अंतरिक्ष रोबोट का डिजाइन, निर्माण और परीक्षण किया जाएगा। साथ ही, मिशन कंट्रोल के माध्यम से इनके संचालन की व्यवस्था भी होगी। इस केंद्र में ऑर्बिटल रेंडेजवस एवं कैप्चर लैब, स्पेस रोबोटिक्स इनोवेशन लैब, माइक्रोग्रैविटी सिमुलेशन प्लेटफॉर्म और सैटेलाइट इंटीग्रेशन क्लीन रूम जैसी विशेष सुविधाएं विकसित की गई हैं। इससे भारत की निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। मंत्री ने कॉसमोसर्व स्पेस की सक्रिय अंतरिक्ष मलबा हटाने और अंतरिक्ष कक्षा में सेवाएं देने (इन-ऑर्बिट सर्विसिंग) के क्षेत्र में की जा रही पहल की सराहना की।

उन्होंने कहा कि कंपनी की स्थापना के एक वर्ष के भीतर जुलाई 2026 में मिशन 'एम्ब्रेस' के तहत अंतरिक्ष में सॉफ्ट रोबोटिक पेटल्स का परीक्षण किया जाना निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेज प्रगति और तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। कंपनी की टीम ने इसरो और गगनयान कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव को निजी क्षेत्र में सहयोगात्मक मॉडल के रूप में आगे बढ़ाया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों ने देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को नए अवसर दिए हैं। करीब पांच-छह वर्ष पहले शुरू हुई सुधार प्रक्रिया और न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) तथा भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) की स्थापना ने देश के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह बदल दिया है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने एचपीईसी से एक महीने के भीतर मांगी फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को हाई-पावर्ड इन्क्वायरी कमेटी (एचपीईसी) को एक महीने के भीतर अपनी पहली फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। इस कमेटी को जुलाई में जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए छात्र विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिसिया कार्रवाई की जांच करने का काम सौंपा गया था। कोर्ट इस मामले पर अब अगली सुनवाई 2 दिसम्बर को करेगा।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि शिकायतों का अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं किया जा सकता है। इस पांच



सदस्यीय कमेटी का गठन 18 अगस्त को किया गया था। इसकी अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। कमेटी ने कोर्ट को सूचित किया कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नोटिस जारी करने और ऑनलाइन पोर्टल शुरू करने के बावजूद पीड़ितों या जनता की ओर से बहुत कम शिकायतें मिली हैं। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि याचिकाओं, वीडियो रिकॉर्डिंग और अब तक उपलब्ध सभी दस्तावेजों व सबूतों को ही जांच का आधार बनाया जाए। जिसे भी जवाब देना है, उससे जवाब मांगे और एक महीने के अंदर इस सामग्री की समीक्षा करके अंतरिम रिपोर्ट पेश की जाए। यह कमेटी जुलाई में सीजेपी के नेतृत्व में नीट पेपर लीक मामले और तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिसिया कार्रवाई की जांच कर रही है। इसमें पुलिस के अत्यधिक बल प्रयोग (जैसे पैलेट गन और लाठीचार्ज) के साथ-साथ पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों की भी जांच शामिल है।

घुसपैठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेंगे, फिर देश से: शाह

चंडीगढ़,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की मतदाता सूची व इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस तीन करोड़ घुसपैठियों को बचाने के लिए देशभर में रैलियां निकाल रही है। अमित शाह गुरुवार को करनाल में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली को संबोधित कर रहे थे।

अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देते हैं, लेकिन देश के मुद्दों पर संसद में चर्चा करने से बचते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन राहुल गांधी अपनी और अपने साथियों की यह गारंटी दें कि वे संसद में इस मुद्दे पर चर्चा से भागेंगे नहीं। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठियों को बचाने के लिए रैली करने वाली कांग्रेस 13 करोड़ वोट कटने का दावा करती है। जिसकी सच्चाई यह है कि 2.8 करोड़ मतदाताओं की मृत्यु हो



चुकी है। सवा छह करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो दूसरे राज्यों में शिफ्ट हो चुके हैं। देश में एक करोड़ मतदाता ऐसे हैं जिनके तीन से ज्यादा स्थानों पर वोट थे। तीन करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो न तो चुनाव आयोग के सामने आ रहे हैं और न ही धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं घुसपैठियों को बचाने के लिए कांग्रेस सड़कों पर है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार इन घुसैपठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेगी और फिर देश से बाहर करेगी। हाथ में संविधान लेकर चलने वाले संसद की बात सड़क पर करते हैं। संवैधानिक संस्था का सबसे अधिक अपमान करते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और देश की संवैधानिक संस्थाओं में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व खत्म हो रहा है। अमित शाह ने हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि 2024 में कांग्रेस ने लड्डू तो बनवाए लेकिन जीत भाजपा को मिली। इसके बाद महाराष्ट्र, बिहार व दिल्ली समेत कई राज्यों से कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो गया। गृहमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 व 2019 में एसआईआर नहीं थी, फिर भी कांग्रेस चुनाव हार गई। लगातार मिल रही हार से बौखलाकर कांग्रेसी एसआईआर के सिर ठीकरा फोड़ रहे हैं। इससे पहले गृह मंत्री का हरियाणा आने पर स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में भी कांग्रेस के पास आज कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस के नेता झूठ का पहाड़ खड़ा करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं। हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता इस अभियान के तहत गांव-गांव जाकर लोगों को कांग्रेस के झूठ के बारे में बता रहा है।

दिल्ली के सभी 12 जोन में एमसीडी का विशेष सफाई अभियान, रिंग रोड सहित प्रमुख मार्गों की हुई व्यापक सफाई

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण और धूल की समस्या पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राजधानी के सभी 12 जोन में प्रमुख रिंग रोड मार्गों और उनसे जुड़ी सर्विस रोड पर विशेष गहन सफाई अभियान चलाया। दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक संचालित इस अभियान में सैकड़ों सफाई कर्मचारियों के साथ वाटर टैंकर, जेटिंग मशीनें, मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें और अन्य सफाई उपकरण लगाए गए।

एमसीडी आयुक्त श्री संजीव खिरवार ने पश्चिमी जोन के पंजाबी बाग स्थित रिंग रोड पर पहुंचकर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर तैनात कर्मचारियों और सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। यह अभियान नियमित सफाई कार्यों के अतिरिक्त चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य सड़कों से धूल हटाना, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखना और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करना है। पश्चिमी जोन में 241 सफाई कर्मचारी तैनात पश्चिमी जोन में पांच प्रमुख स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इसके लिए कुल 241 सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शिव मंदिर रोड बापरोला में 32, 55 फुटा रोड पर 35, मुख्य नजफगढ़ रोड पर 39, नंदा देवी चौक से डीडीए बिंदापुर तथा नजफगढ़ रोड पर पिलर संख्या 576 से 639 तक 55 और पंजाबी बाग रिंग रोड पर 80 कर्मचारी सफाई कार्य में लगाए गए।



दक्षिणी जोन में 41 किलोमीटर सड़कों की सफाई

दक्षिणी जोन के सभी 23 वार्डों में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। यहां लगभग 300 अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों, 20 टिपर वाहनों और 11 वाटर टैंकरों की तैनाती की गई। इस दौरान करीब 41 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई। सेंट्रल वर्ज, ग्रीन बेल्ट, फुटपाथ और सड़क किनारे से लगभग 7 मीट्रिक टन धूल तथा 2 मीट्रिक टन कूड़ा एवं अपशिष्ट हटाया गया। इसके अलावा सभी 41 किलोमीटर सड़कों की पानी से धुलाई भी की गई।

दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी जोन में भी अभियान

दक्षिण-पूर्वी जोन में लाजपत नगर, नेहरू नगर, मथुरा रोड, तुगलकाबाद एक्सटेंशन और रिंग रोड सहित वार्ड संख्या 142, 144, 170, 181, 188 एवं 189 के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई की गई। वहीं दक्षिण-पश्चिमी जोन में ककरोला, सेक्टर-20 मार्बल मार्केट, आईजीआई एयरोसिटी, महिपालपुर और वसंत कुंज में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। करोल बाग जोन में नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, रिंग रोड और नारायणा गांव को अभियान में शामिल किया गया। मध्य-उत्तरी जोन में वजीरपुर के निकट चिन्हित स्वच्छता हॉटस्पॉट पर 30 सफाई कर्मचारियों, दो जेटिंग मशीनों और चार ऑटो टिपरों की मदद से सफाई की गई।

उत्तर और उत्तर-पूर्वी जोन में बड़े स्तर पर संसाधनों की तैनाती

उत्तरी जोन में लगभग छह किलोमीटर सड़क क्षेत्र की सफाई के लिए 34 सफाई कर्मचारियों, दो जेटिंग मशीनों और दो वाटर स्प्रिंकलिंग मशीनों को लगाया गया। उत्तर-पूर्वी जोन में प्रमुख सड़कों की सफाई के लिए 1,896 सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। इसके साथ तीन मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें, चार जेटिंग-कम-स्प्रिंकलर मशीनें, 15 ऑटो टिपर और 10 ई-रिक्शा भी लगाए गए।

छह दिवसीय कार्यक्रम के तहत चलेगा अभियान

एमसीडी के अनुसार, यह विशेष सफाई अभियान छह दिवसीय निर्धारित कार्यक्रम के तहत संचालित किया जा रहा है। इसमें प्रमुख बाजारों एवं व्यावसायिक केंद्रों, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों, रिंग रोड और आउटर रिंग रोड के प्रमुख हिस्सों, संस्थागत क्षेत्रों तथा आवासीय इलाकों को शामिल किया गया है। संबंधित जोन के उपायुक्तों को अभियान की प्रत्यक्ष निगरानी और नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निगम का उद्देश्य नियमित सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाते हुए राजधानी के प्रमुख मार्गों को धूलमुक्त और स्वच्छ रखना है।

दिल्ली झुग्गी पुनर्वास नीति-2026 अधिसूचित, 4-5 लाख परिवारों को मिलेगा पक्का मकान

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली झुग्गी एवं झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति-2026' (दिल्ली स्लम एंड झुग्गी झोपड़ी रिलोकेशन एंड रिहैबिलिटेशन पॉलिसी-2026) अधिसूचित कर दी है। यह पहल उन लाखों परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण है, जो वर्षों से बेहतर आवास और सम्मानजनक जीवन का सपना देख रहे हैं। इस नीति से दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लगभग 4 से 5 लाख परिवारों यानी करीब 20 लाख लोगों को लाभ मिलने की संभावना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल झुग्गियों को हटाना या बस्तियों का पुनर्विकास करना नहीं है, बल्कि वहां रहने वाले पात्र परिवारों को ऐसा पक्का आशियाना देना है, जहां वे अपने बच्चों के साथ सुरक्षा, सम्मान और सुकून से रह सकें तथा उनका भविष्य अधिक स्थिर और खुशहाल बन सके। उन्होंने बताया कि नई नीति के तहत 1 जनवरी 2025 तक स्थापित झुग्गी बस्तियों में 1 जनवरी 2025 से पूर्व स्थापित सभी झुग्गियों में रहने वाले पात्र परिवारों को पुनर्वास का लाभ देने का प्रावधान किया गया है। इससे पहले की योजनाओं के दायरे से बाहर रह गए अनेक परिवारों को भी अब पुनर्वास की नई व्यवस्था में शामिल होने का अवसर मिल सकेगा। सरकार ने इस नीति में आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ झुग्गीवासियों की गरिमा, उनके मौजूदा रोजगार और सामाजिक जीवन को भी ध्यान में रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति के तहत पात्र झुग्गीवासियों को वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाएगा और इसमें यथास्थान पुनर्वास (यानी इन-सीटू रिहैबिलिटेशन) को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार का प्रयास रहेगा कि लोगों को उनकी मौजूदा झुग्गी बस्ती वाली जगह पर ही अथवा उसके तीन किलोमीटर के दायरे में पक्के मकान दिए जाएं। इसका उद्देश्य यह है कि मकान मिलने के बाद लोगों को अपने रोजगार, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए दूर न जाना पड़े। इस तरह 'जहां झुग्गी, वहां मकान' के संकल्प को व्यावहारिक रूप देने की दिशा में काम किया जाएगा। नीति के अनुसार पात्र परिवारों को एक बेडरूम, हॉल और किचन (1-बीएचके) वाला आवास उपलब्ध कराने का प्रावधान है। पुनर्वास के तहत विकसित होने वाले आवासीय परिसरों को केवल मकानों के समूह तक सीमित नहीं रखा जाएगा। इनमें आवश्यक सामाजिक सुविधाओं के रूप में स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य सुविधाएं और बच्चों के खेलने के लिए मैदान विकसित किए जाएंगे। ये सुविधाएं संबंधित क्षेत्र के लागू नियोजन प्रावधानों के अनुरूप उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को बेहतर आवास के साथ बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के लिए भी अनुकूल वातावरण मिल सकेगा।

सत्य निकेतन इमारत ढहने के मामले में दिल्ली पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बीते 6 सितंबर को सत्य निकेतन में बिल्डिंग ढहने की घटना के मामले में गुरुवार को चार्जशीट दाखिल की है। पटियाला हाउस कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में दिल्ली पुलिस ने छह लोगों को आरोपित बनाया है। सत्य निकेतन इलाके में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। दिल्ली पुलिस ने साउथ कैंपस पुलिस स्टेशन में इस संबंध में एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में हरि राम गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, महेश गुप्ता, सनोज़ कुमार, सुधांशु लवनीश कुमार और शुभम त्यागी को आरोपित बनाया है। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इस मामले में दिल्ली नगर निगम ने उच्च न्यायालय में हलफनामा दाखिल किया था, जिसमें कहा गया था कि हादसे के बाद 543 संपत्तियों को गिराया गया है और 178 संपत्तियों को सील किया गया है। इसके अलावा 354 पीजी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। संबंधित जोन के वरिष्ठ अधिकारियों को काम में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। इनमें डिप्टी कमिश्नर, जोन इंजीनियर भी शामिल हैं। दिल्ली नगर निगम ने कहा हि दिल्ली में केवल 512 पीजी ही मास्टर प्लान के मुताबिक चल रहे हैं। गौरतलब है कि जिस 'हॉस्टल डेज़ बॉयज़ पीजी' में हादसा हुआ, वो दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के नजदीक है और वो स्टूडेंट हब है। इस पीजी में बेसमेंट के अलावा पांच मंजिलें थीं। ये हादसा 6 सितंबर को दोपहर डेढ़ बजे हुआ, जिसके बाद मलबे में करीब कई छात्र दब गए।

क्रांतिकारी भाई परमानंद की आत्मकथा स्वतंत्रता संग्राम को आकार देने वाले बलिदानों का सशक्त स्मरण : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भाई परमानंद की आत्मकथा केवल सेल्युलर जेल में झेड़ी गई यातनाओं का विवरण मात्र नहीं है, बल्कि यह उस देशभक्ति, त्याग और अदम्य साहस का सशक्त स्मरण कराती है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को आकार दिया। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को क्रांतिकारी एवं गदर पार्टी के नेता भाई परमानंद (1876-1947) की आत्मकथा 'मेरी आपबीती: कालापानी की कारावास कहानी' का नया संस्करण जारी करते हुए कही।

भाई परमानंद की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित यह विमोचन 25 अक्टूबर को 'मन की बात' के 139वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस पुस्तक का उल्लेख किए जाने के कुछ ही दिनों बाद हुआ। प्रधानमंत्री ने युवाओं से भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को समझने के लिए इस पुस्तक को पढ़ने का आग्रह किया था। इस अवसर पर उपस्थित इतिहासकारों, आर्य समाज के



प्रतिनिधियों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने जोर दिया कि ऐसे ऐतिहासिक वृत्तांतों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना स्वतंत्रता संग्राम की सामूहिक स्मृतियों को संरक्षित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। भाई परमानंद के असाधारण जीवन का स्मरण करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने गदर पार्टी के संस्थापक सदस्यों में उनकी भूमिका, आर्य समाज के एक प्रभावशाली नेता के रूप में उनके योगदान तथा ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध उनकी मुखर आवाज को रेखांकित किया। वर्ष 1876 में तत्कालीन झेलम जिले (वर्तमान पाकिस्तान) में जन्मे परमानंद को वर्ष 1915 के प्रथम लाहौर षड्यंत्र केस में मृत्युदंड सुनाया गया था, जिसे बाद में आजीवन कारावास में बदल दिया गया। उन्हें अंडमान द्वीप समूह स्थित सेल्युलर जेल भेजा गया, जहां उन्होंने लगभग पांच वर्षों तक कारावास की यातनाएं सहीं और राजनीतिक बंदियों के साथ किए जा रहे अमानवीय व्यवहार के विरोध में लंबे समय तक भूख हड़ताल भी की। महात्मा गांधी ने 19 नवंबर 1919 को 'यंग इंडिया' में लिखते हुए उनके साथ किए गए व्यवहार की कड़ी निंदा की थी और उनकी रिहाई की मांग की थी। 20 अप्रैल 1920 को रिहाई के बाद परमानंद ने लाहौर के नेशनल कॉलेज में इतिहास पढ़ाया, जहां क्रांतिकारी भगत सिंह और सुखदेव भी उनके विद्यार्थियों में शामिल थे। गुप्ता ने कहा कि परमानंद जैसे क्रांतिकारियों के अनुभव भारत की स्वतंत्रता के पीछे छिपे कष्टों और व्यक्तिगत बलिदानों को समझने का एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

जमानत के लिए शरजील इमाम और उमर खालिद पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपित शरजील इमाम और उमर खालिद ने जमानत के लिए गुरुवार को एक बार फिर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। दोनों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 30 सितंबर को इन दोनों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। जस्टिस प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि हाई कोर्ट उच्चतम न्यायालय के आदेश से बंधी है और न्यायिक अनुशासन का पालन करना जरूरी है। इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने 4 जुलाई को उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। एडिशनल सेशंस जज समीर बाजपेयी ने कहा था कि वो उच्चतम न्यायालय के 5 जनवरी के आदेश का पालन करने के लिए बाध्य हैं। कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं ट्रायल कोर्ट में भी सुनवाई योग्य नहीं हैं। इससे पहले भी ये दोनों उच्चतम न्यायालय गए थे, लेकिन 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। हालांकि, 5 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहमद और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दे दी थी। उसके बाद उच्चतम न्यायालय ने 22 मई को खालिद सैफी और तसलीम अहमद को छह महीने की अंतरिम जमानत दी। इस मामले के चार आरोपितों सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तान्हा, देवांगन कलीता और नताशा नरवाल को भी पहले ही जमानत मिल चुकी है। इस मामले में सफूरा जरगर, ताहिर हुसैन, उमर खालिद, खालिद सैफी, इशरत जहां, मीरान हैदर, गुलफिशा, शफा उर रहमान, आसिफ इकबाल तान्हा, शादाब अहमद, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहम्मद सलीम खान, अतहर खान, शरजील इमाम, फैजान खान, नताशा नरवाल और देवांगन कलीता के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। दिल्ली दंगों में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे।

लाल किला ब्लास्ट मामला: जावेद सिद्दीकी की पत्नी के इलाज के लिए अंतरिम जमानत याचिका पर ईडी को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने लाल किला ब्लास्ट से जुड़े मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी की कैंसर पीड़ित पत्नी के इलाज के लिए अंतरिम जमानत या कस्टडी पैरोल की मांग करने वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई कल यानि 6 नवंबर को होगी। जावेद अहमद सिद्दीकी ने अपनी कैंसर पीड़ित पत्नी के इलाज के लिए अंतरिम जमानत या कस्टडी पैरोल की मांग की है। उसकी पत्नी का इलाज चल रहा है। उच्च न्यायालय ने ईडी से दस्तावेजों की जांच करने को कहा है और मामले की तात्कालिकता को देखते हुए इसे कल ही सुनवाई के लिए लिस्ट किया है। ईडी ने अंतरिम जमानत की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उसके भाग जाने का जोखिम है। जावेद अहमद सिद्दीकी ने कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रही अपनी पत्नी की इलाज के दौरान देखभाल के लिए अंतरिम जमानत की मांग की है। इसके पहले जुलाई में उच्च न्यायालय और साकेत कोर्ट ने कहा था कि आरोपित की मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक उसकी पत्नी की हालत स्थिर है और उनकी ऐसी स्थिति नहीं है कि वो अपनी दिनचर्या से जुड़ी काम खुद नहीं कर सकतीं। साकेत कोर्ट ने कहा था कि अगर मां-बाप बीमार पड़ें, तो बालिग बच्चों से ये उम्मीद की जाती है कि वो उनकी देखभाल करें।

जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर, 2025 को गिरफ्तार किया था। फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी लाल किला ब्लास्ट के बाद से ही जांच एजेंसियों के रडार पर थी। लाल किला ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों का संबंध अल फलाह यूनिवर्सिटी से पाया गया, जिसके बाद इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच शुरु की गई। ईडी ने जावेद को टेरर फंडिंग और मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने 16 जनवरी को जावेद अहमद सिद्दीकी और अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से दो एफआईआर दर्ज होने के बाद ईडी ने अपनी जांच शुरु की थी। एफआईआर में कहा गया है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी ने झूठी सूचना दी कि उसे नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (एनएएसी) की ओर से मान्यता मिल चुकी है। ईडी ने कहा है कि उसने मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अल फलाह यूनिवर्सिटी की संपत्तियों को अनौपचारिक तौर पर जब्त कर लिया है। लालकिला के पास 10 नवंबर, 2025 को आई-10 कार में ब्लास्ट हुआ था। ये कार आमिर रशीद अली के नाम पर थी। इस ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। यूजीसी ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है, जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने जावेद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। यूजीसी की शिकायतों के बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जावेद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज करके गिरफ्तार किया था।

दिल्ली महापौर ने प्रशांत विहार में दो कॉम्पेक्टर का किया उद्घाटन, कूड़ा नहीं फैलेगा इधर-उधर

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने गुरुवार को उत्तर पश्चिम क्षेत्र के वार्ड नंबर-53 के प्रशांत विहार में स्थित सफेदवाला पार्क में दो कॉम्पेक्टर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए निगम लगातार कार्यरत हैं और आज इसी कड़ी में इन दो कॉम्पेक्टर का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि कॉम्पेक्टर लगने से प्रशांत विहार, रोहिणी सेक्टर-9 और 13 इत्यादि इलाकों का कूड़ा इधर उधर नहीं फैलेगा बल्कि कॉम्पेक्टर मशीन की सहायता से इसे कॉम्पैक्ट करके सीधा ढलाव पर भेजा जा सकेगा।

महापौर ने कहा कि अनेक स्थानों से गारबेज वल्नरेबल पॉइंट्स को हटाया जा रहा है और दिल्ली स्वच्छता की ओर बढ़ रही है। प्रत्येक क्षेत्रीय उपायुक्त एवं स्वच्छता निरीक्षकों को सख्त हिदायत दी गई है कि कहीं भी कूड़ा न फैले और दीवाली के अंतर्गत स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखें। वाही ने दिल्ली के सभी नागरिकों से अपील की कि स्त्रोत पर ही कूड़े को पृथक करें और सभी इस मुहिम से जुड़े। निगम सभी आरडब्लूए, एनजीओ एवं नागरिकों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।



उन्होंने कहा कि निगम द्वारा डस्टबिन भी वितरित किए जा रहे हैं तथा गीले कूड़े से कंपोस्ट बनाने के लिए हाउसिंग सोसाइटियों में एरोबिन भी लगाए गए हैं। महापौर ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर एवं कचरा-मुक्त दिल्ली का संकल्प तभी साकार होगा, जब जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सफाई कर्मचारी और आम नागरिक मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम क्षेत्र के उपायुक्त अंशुल सिरोही सहित दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चावड़ी बाजार में गिरी तीन मंजिला इमारत, आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली के चावड़ी बाजार में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत गिरने और मलबे में दबकर दो लोगों की मौत होने की घटना पर चिंता जताई है। उन्होंने इस हादसे के लिए दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी कर दिल्ली सरकार पर सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और एमसीडी द्वारा दिल्ली की इमारतों के कई सुरक्षा ऑडिट कराए जाने के बावजूद हादसे क्यों हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा ऑडिट के नाम पर कई विभागों द्वारा बार-बार रिश्वत वसूली किए जाने के कारण हर महीने इमारतें ढह रही हैं। आआपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सुरक्षा ऑडिट के नाम पर केवल अवैध वसूली हो रही है, जबकि अवैध निर्माण के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भी चावड़ी बाजार में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत गिरने की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के सामने गली सितारा में इमारत का अचानक ढहना बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है।

अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि दिल्ली में आए दिन इमारतें गिर रही हैं और लोगों की जान खतरे में पड़ रही है, लेकिन दिल्ली सरकार और एमसीडी भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। उन्होंने दिल्ली सरकार से हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने, राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने और दोषी अधिकारियों तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता की जान से खिलवाड़ बंद होना चाहिए।

डीयू में विभाजन के आर्थिक-जनसांख्यिकीय प्रभावों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रधर्म सर्वोपरि का संदेश

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र (सीआईपीएस) की ओर से जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) के सहयोग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में भारत विभाजन के ऐतिहासिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय प्रभावों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय 'धन का विभाजन, कल्याण का विस्थापन: विभाजन का दीर्घकालिक आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय परिप्रेक्ष्य' रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा (एएटीएफ) के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने राष्ट्रवाद, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि बताया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की पहली प्रतिबद्धता राष्ट्र के प्रति होनी चाहिए। उन्होंने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए अब्दुल हमीद एवं जसप्रीत सिंह अरोड़ा जैसे वीर सैनिकों के शौर्य का उल्लेख किया। साथ ही विद्यार्थियों को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और कल्पना चावला जैसी महान विभूतियों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से अखंड एवं धर्मनिरपेक्ष भारत की भावना को मजबूत



बनाने तथा राष्ट्रसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने भारत विभाजन के ऐतिहासिक एवं भौगोलिक पहलुओं पर अपने विचार रखे। बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक भौगोलिक संरचनाओं के विपरीत मनमाने ढंग से निर्धारित राष्ट्रीय सीमाएं भविष्य में संघर्ष की परिस्थितियां पैदा कर सकती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीआईपीएस के अध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी ने की। उन्होंने विभाजन की त्रासदी से सबक लेने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने का संकल्प भी है।

उद्घाटन सत्र का शुभारंभ जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) की शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. जेपी शर्मा के स्वागत संबोधन से हुआ। इसके बाद सीआईपीएस के निदेशक प्रो. रविंदर कुमार ने परिचयात्मक वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास की निर्णायक घटना रहे विभाजन का ऐतिहासिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से बहुआयामी अध्ययन आवश्यक है। संगोष्ठी में शिक्षाविदों, प्राध्यापकों, प्रतिष्ठित अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान भारत विभाजन के दूरगामी ऐतिहासिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय प्रभावों पर गंभीर चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाजन के अनुभवों और उसके परिणामों का अकादमिक विश्लेषण करते हुए नई पीढ़ी को इतिहास के महत्त्व से परिचित कराना रहा।

एक नजर

फरीदाबाद में मिला आठ फीट लंबा अजगर, मची अफरा-तफरी

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर-21सी में करीब 8 फीट लंबा अजगर मिलने से लोगों में दहशत फैल गई। अजगर दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने काफी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद उसे आबादी से दूर जंगल के इलाके में छोड़ दिया गया। शहर में रिहायशी इलाकों में अजगर निकलने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। 2026 में भाकरी, पाली, मेवला महाराजपुर और सेक्टर-81 समेत कई जगह अजगर मिल चुके हैं। वन विभाग के इंस्पेक्टर हंसराज ने बताया कि अरावली, जंगल, नहर और झाड़ियों से सटे इलाकों में अजगरों की मौजूदगी रहती है। बारिश के बाद बिलों में पानी भरने और मौसम में बदलाव के कारण वे बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों तक पहुंच जाते हैं। वन विभाग के इंस्पेक्टर हंसराज ने बताया कि अरावली, जंगल, नहर और झाड़ियों से सटे इलाकों में अजगरों की मौजूदगी है। बारिश के बाद बिलों में पानी भरने और मौसम में बदलाव के कारण अजगर बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों तक पहुंच जाते है। गौरतलब है कि इससे पूर्व एक नवंबर को आईएमटी चौक स्थित ट्रैफिक पुलिस बूथ में करीब 8 फीट लंबा अजगर घुस गया था। इससे पूर्व 3 अक्टूबर को पल्ला पुल के पास 10 फीट लंबा अजगर पिकअप गाड़ी में घुस गया था, 24 सितंबर को ग्रीन फील्ड कॉलोनी में 10 फीट लंबा अजगर मिला था तथा 14 अगस्त को पाली गांव के खेत में करीब 8 फीट लंबा अजगर मिला था।

फर्जी विजिलेंस अधिकारी ने सीएमओ को नौकरी से हटाने की धमकी

फरीदाबाद। फरीदाबाद के बीके अस्पताल में खुद को विजिलेंस अधिकारी बताकर पहुंचे एक व्यक्ति ने सीएमओ डॉ. जयंत आहूजा को नौकरी से हटवाने की धमकी दी। आरोपी ने सीएमओ कार्यालय में पहुंचकर अधिकारियों और कर्मचारियों पर रौब झाड़ने की कोशिश की। सीएमओ को उसकी बातों और व्यवहार पर शक हुआ तो उन्होंने तुरंत डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस बुला ली। पुलिस आरोपी को पकडक़र एनआईटी नंबर-3 चौकी ले गई। शुरुआती जांच में सामने आया कि उसने फर्जी पहचान बताकर खुद को अधिकारी बताया था। दरअसल, बीके अस्पताल में करीब 50 लाख रुपए के कथित डीजल घोटाले की जांच चल रही है। इसी का फायदा उठाने के लिए आरोपी विजिलेंस अधिकारी बनकर अस्पताल पहुंचा था। हालांकि, अस्पताल के किसी अधिकारी या कर्मचारी ने उसे पैसे नहीं दिए। सीएमओ डॉ. जयंत आहूजा के मुताबिक, आरोपी बुधवार को उनके कार्यालय पहुंचा और खुद को विजिलेंस अधिकारी बताने लगा। उसने स्टाफ पर भी रौब झाडऩे की कोशिश की। इस दौरान उसने सीएमओ को धमकी दी कि वह उनकी नौकरी खा जाएगा। आरोपी के बातचीत करने के तरीके से सीएमओ को उसकी मंशा पर शक हुआ। उन्हें लगा कि वह अधिकारी होने का झूठा रौब दिखाकर पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद उन्होंने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। पुलिस आरोपी को पकडक़र एनआईटी नंबर-3 चौकी ले गई। बीके अस्पताल में करीब 50 लाख रुपए के कथित डीजल घोटाले की जांच चल रही है। सीएमओ डॉ. जयंत आहूजा ने बताया कि इस मामले की जांच हेडक्वार्टर की टीम कर रही है। इसी बीच आरोपी ने खुद को विजिलेंस अधिकारी बताकर अस्पताल पहुंचने और अधिकारियों-कर्मचारियों पर दबाव बनाने की कोशिश की। एनआईटी नंबर-3 चौकी इंचार्ज मनोज के मुताबिक, आरोपी की पहचान राजपाल के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर क्षेत्र का रहने वाला है। शुरुआती जांच में सामने आया कि उसने फर्जी पहचान बताकर खुद को अधिकारी बताया था। पुलिस के अनुसार, अस्पताल के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने आरोपी को पैसे नहीं दिए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गांवों में अपराध और नशे के नेटवर्क पर कसेगा पुलिस का शिकंजा

नूंह। नूंह सदर थाना क्षेत्र के गांवों को अपराध, नशा और असामाजिक गतिविधियों से मुक्त बनाने के लिए थाना प्रभारी सुभाषचंद ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत उन्होंने पहली बार क्षेत्र के सभी गांवों के सरपंचों और मौजिज लोगों को एक मंच पर बुलाकर अपराधमुक्त गांव बनाने की दिशा में सामूहिक रणनीति तैयार की। थाना प्रभारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गोहत्या, गोतस्करी, नशा तस्करी, साइबर अपराध, ठगी और अन्य अनैतिक गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सरपंचों ने पुलिस प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी सुभाषचंद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गांवों में किसी भी प्रकार का अपराध, अवैध गतिविधि और असामाजिक कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस की प्राथमिकता केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि अपराध को पनपने से पहले ही रोकना है। इसके लिए गांवों के सरपंचों, पंचायत प्रतिनिधियों और जिम्मेदार नागरिकों को पुलिस के साथ मिलकर काम करना होगा।

डीयू कुलपति का दिवाली मिलनः एक अच्छा काम करने और एक खराब आदत छोड़ने का संकल्प लें

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने गुरुवार को दिवाली मिलन कार्यक्रम के अवसर पर डीयू के सफाई और बागवानी कर्मचारियों आदि को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस दिवाली पर सभी लोग संकल्प लें कि कम से कम एक अच्छा काम करेंगे और एक खराब काम छोड़ेंगे।



इस अवसर पर प्रो. योगेश सिंह ने सभी कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान के लिए हर कर्मचारी का अपना महत्व होता है। सभी लोग संस्थान की रीढ़ होते हैं। इस दौरान कुलपति ने उपस्थित कर्मचारियों से संवाद भी किया। उन्होंने कर्मचारियों को शाल व मिठाई देकर सम्मानित किया। प्रो. योगेश सिंह ने उपस्थित कर्मचारियों को सलाह देते हुए कहा कि इस दिवाली के अवसर पर वह सभी कोई न कोई पेंशन स्कीम जरूर लें और उसमें 500 या हजार रुपये महीना डालने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि इसके लिए कोई भी एक आदत छोड़ सकते हैं, जिसमें 500 रुपये व्यर्थ जा रहे हों। साथ ही 500 रुपये महीना से कोई म्यूचुअल फंड शुरू करने का भी संकल्प लें, ताकि आने वाले समय में आर्थिक जरूरतों में काम आ सके।

कुलपति ने कामना की कि यह दिवाली सभी के लिए शुभ हो। इस अवसर पर उनके साथ डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी, रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता और डीयू सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष एवं पीआरओ अनूप लाठर भी उपस्थित रहे।

दीपावली से पहले पलवल के बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़, सड़कों पर लगा जाम

पलवल। दीपावली के त्योहार को लेकर पलवल के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। पर्व नजदीक आते ही शहर के मुख्य बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह से देर शाम तक बाजारों में चहल-पहल बनी हुई है। दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ के चलते व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। वहीं, खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से बाजारों की सड़कों पर जाम की स्थिति बन रही है। कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं और लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दीपावली को लेकर लोग घरों की सजावट, पूजा सामग्री, मिठाइयां, कपड़े, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान और उपहार खरीदने में जुटे हैं। बाजारों में रंग-बिरंगी झालरों, दीपकों, मोमबत्तियों, सजावटी वस्तुओं और पूजन सामग्री की दुकानों पर विशेष रौनक दिखाई दे रही है। मिठाई और ड्राई फ्रूट की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है। दुकानदारों ने भी त्योहार को देखते हुए अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया हुआ है। व्यापारी चिराग तायल ने बताया कि इस बार लोगों में दीपावली के त्योहार को लेकर पहले की अपेक्षा अधिक उत्साह देखने को मिल रहा है। बाजारों में लगातार ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है और लोग परिवार के साथ खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। त्योहार को लेकर व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है। वहीं, खरीदारी करने पहुंचे ग्राहक दिव्यांशु ने बताया कि बाजार में इस समय काफी भीड़ है। दुकानों पर सामान खरीदने के लिए ग्राहकों की लंबी कतारें लगी हुई हैं।

पलवलः एसपीएस इंटरनेशनल पलवल की स्पोर्ट्स मीट में दिखा खिलाड़ियों का दमखम

पलवल। एसपीएस इंटरनेशनल में आयोजित पांचवीं वार्षिक अंतरविद्यालय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। कबड्डी, वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस अवसर पर आयोजित भव्य उद्घाटन समारोह में हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे।

समारोह में ओलंपिक पदक विजेता एवं पद्मश्री सम्मानित पहलवान योगेश्वर दत्त, पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता नवदीप सिंह, अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मुक्केबाज जितेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिष्ठित खिलाड़ियों की मौजूदगी ने विद्यार्थियों में विशेष उत्साह भर दिया। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि उनका सपना है कि पलवल की धरती से ऐसे खिलाड़ी निकलें, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए ओलंपिक में पदक जीतें। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देती हैं। खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने की भावना विकसित करते हैं। हार-जीत से ऊपर उठकर खेल भावना बनाए रखना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। विद्यालय के चेयरमैन सुरेश भारद्वाज ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। खेलों से बच्चों में टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। अकादमिक निदेशक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शारीरिक शिक्षा, योग और खेलों को विशेष महत्व दिया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते दौर में विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास भी आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि 3 से 6 नवंबर तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में 150 से अधिक विद्यालयों के लगभग 2500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। वर्ष 2022-23 में पहले संस्करण में 22 विद्यालयों ने भाग लिया था। इस बार प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, योग, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, कुश्ती और एथलेटिक्स सहित सात खेल शामिल हैं। एसपीएसआई कप-2026 के लिए एसपीएस इंटरनेशनल और मॉडर्न स्कूल, फरीदाबाद के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा बनी हुई है।

भाजपा की पदयात्रा में तिरंगा थामे आगे बढ़े मुख्यमंत्री योगी, बोले- कांग्रेस-सपा देश के विकास में रोड़े अटका रहें, अराजकता बढ़ा रहें

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजियाबाद में भाजपा द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी मंच पर पहुंचे और कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उनका भाषण शुरु होते ही लोगों ने भगवान राम, हनुमान, कृष्ण और महादेव के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। इस बीच योगी ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए किए गए संघर्ष को याद करते हुए समाजवादी पार्टी को भी आड़े हाथों लिया।



उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी की एक ऐसे स्कूली छात्र है, जो बार-बार परीक्षा में फेल होता है और हर बार नए बहाने बनाता है। कभी सिलेबस न जानने का, कभी कॉपी बदले जाने का, तो कभी पेन की स्याही खत्म होने का। सीएम योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक अराजकता से देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरूक है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपनी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इस दौरान क्षेत्रीय विकास पर बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद में उत्तराखण्ड भवन के निर्माण की घोषणा की और क्षेत्र के चौमुखी विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि सपा ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। कांग्रेस ने मंदिर निर्माण की राह में रोड़े अटकाये थे। फिर भी आज अयोध्या में त्रेतायुग का रामयुग आ गया है। उन्होंने दावा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके कार्यकाल में 4 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन के खिलाफ दूधेश्वर नाथ की जमीन पर इकट्ठा हुए है। कांग्रेस स्वार्थ के लिए दुनिया के सबसे प्राचीन लोकतंत्र पर सवाल उठा रही है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना कांग्रेस का काम हो गया है। ये वही कांग्रेस है जिसने 1975 में आपातकाल लागू किया। ऐसे लोगों का लोकतंत्र की बात करना हास्यास्पद लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को मौके मिला तो कॉमनवेल्थ, कोल, समेत लाखों करोड के घोटाले और सुरक्षा को सेंध लगाने के बाद जनता में विश्वास खो दिया।

गुरुग्रामः नई अनाज मंडी जाटौली में छह से आठ नवंबर तक रहेगा अवकाश



गुरुग्राम,एजेंसी। नई अनाज मंडी जाटौली में त्योहारों के मद्देनजर तथा मंडी में पहले से आई बाजरे की फसल की भराई और उठान कार्य को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के उद्देश्य से छह नवंबर से आठ नवंबर तक अवकाश रहेगा। इसके बाद नौ नवंबर को मंडी में खरीद कार्य सामान्य रूप से शुरू होगा, जबकि 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा तथा 11 नवंबर को भैया दूज के उपलक्ष्य में फिर से अवकाश रहेगा। पटौदी मार्केट कमेटी के चेयरमैन मनोज मोकलवास ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अवकाश के दिनों में अपनी फसल लेकर मंडी में न आएं, ताकि मंडी में व्यवस्थाएं सुचारू बनी रहें।

चेयरमैन ने बताया कि नई अनाज मंडी जाटौली में बाजरे की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। मंडी में किसानों की सुविधा के लिए बैठने हेतु बेंच, पीने के पानी, गेट पास जारी करने और बायोमेट्रिक सत्यापन की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है।

उन्होंने बताया कि अब तक मंडी में 2,68,466 क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है तथा 2,45,997 क्विंटल बाजरे का उठान भी किया जा चुका है। मार्केटिंग बोर्ड के कर्मचारी किसानों की सुविधा और फसल की खरीद एवं उठान प्रक्रिया को गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मंडी में किए गए बेहतर प्रबंधों के चलते खरीद प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से चल रही है और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले किसान भी व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं। मार्केट कमेटी पटौदी के सचिव विपिन यादव ने बताया कि किसानों को भावांतर भरपाई योजना तथा 2,900 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत देय शेष राशि नियमानुसार किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। चेयरमैन मनोज मोकलवास और मार्केट कमेटी पटौदी के सचिव विपिन यादव ने सभी किसानों एवं क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

गुरुग्रामः ईडी का विदेशी शराब सिंडिकेट पर शिकंजा, 10 ठिकानों पर छापेमारी

गुरुग्राम,एजेंसी। विदेशी शराब की अवैध बिक्री और करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी के कथित मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुग्राम जोनल ऑफिस की टीम ने तीन और चार नवंबर को दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। दो दिनों तक चले तलाशी अभियान में 11 लाख रुपये नकद, महत्वपूर्ण दस्तावेज और शराब की खरीद-बिक्री से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए। जांच में इस सिंडिकेट के जरिए 10 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध से अर्जित आय पैदा होने का खुलासा हुआ है।

ईडी की यह कार्रवाई गुरुग्राम स्थित लाइसेंस प्राप्त शराब दुकान द ठेका से जुड़े कथित सिंडिकेट की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई। दुकान का मालिकाना हक अंकुश गोयल और उनके अन्य साझेदारों के पास बताया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, सिंडिकेट बिना होलोग्राम और ट्रैक एंड ट्रेस स्ट्रिप्स वाली आयातित विदेशी शराब खरीदकर अवैध रूप से ठेकों के माध्यम से बेच रहा था। जांच में सामने आया कि सिंडिकेट ने कस्टम ड्यूटी और उत्पाद शुल्क से बचने के लिए बॉन्ड-टू-बॉन्ड ट्रांसफर सिस्टम का कथित दुरुपयोग किया। इसके लिए हरियाणा, गोवा और महाराष्ट्र में अलग-अलग कंपनियां बनाई गईं और जरूरी कस्टम लाइसेंस व दस्तावेज हासिल किए गए। आरोप है कि शराब को निर्धारित गोवा और महाराष्ट्र के वेयरहाउस तक पहुंचाने के बजाय ट्रांसपोर्टरों की मिलीभगत से सीधे गुरुग्राम के ठेकों पर पहुंचाया जाता था। वहां इसे वैध आयातित स्टॉक बताकर ग्राहकों को बेचा जाता था। ईडी के मुताबिक, जून से नवंबर 2025 के बीच सिंडिकेट ने एक लाख से अधिक विदेशी शराब की बोतलें खरीदीं और बिना निर्धारित कस्टम ड्यूटी, वैट, परमिट शुल्क तथा अन्य करों का भुगतान किए बेच दीं। इस कारोबार में 20 से 25 प्रतिशत तक मुनाफा कमाया गया और 10 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध आय अर्जित की गई। मामले की जांच हरियाणा पुलिस की एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर शुरू हुई। आबकारी अधिकारियों ने 9 दिसंबर 2025 को द ठेका से बिना होलोग्राम और ट्रैक एंड ट्रेस स्ट्रिप्स वाली 3921 पेटी तथा 176 बोतल विदेशी शराब जब्त की थी। नकली शराब की बिक्री के आरोप में भी सिंडिकेट के कुछ सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है।



गिग वर्कर्स की सुरक्षा का सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ



बदलती अर्थव्यवस्था में रोजगार के स्वरूप तेजी से बदल रहे हैं। डिजिटल तकनीक और इंटरनेट आधारित सेवाओं ने काम करने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती दी है। आज कोई व्यक्ति मोबाइल एप के माध्यम से भोजन पहुँचाकर, ऑनलाइन टैक्सी चलाकर, सामान की डिलीवरी करके, घरेलू सेवाएँ उपलब्ध कराकर या स्वतंत्र डिजिटल कार्य करके अपनी आजीविका अर्जित कर सकता है। रोजगार का यह स्वरूप गिग इकोनॉमी कहलाता है और इसमें काम करने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में पहचाने जाते हैं। इन श्रमिकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अपनी सुविधा और उपलब्धता के अनुसार काम चुन सकते हैं लेकिन इस लचीलेपन के साथ उनकी आजीविका में असुरक्षा भी जुड़ी हुई है। नियमित कर्मचारियों की तरह उन्हें वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, चिकित्सा सुविधा और सवेतन अवकाश जैसी सुविधाएँ सामान्यत: उपलब्ध नहीं होतीं। इसलिए गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा अब केवल श्रम कल्याण का विषय नहीं बल्कि समावेशी विकास और आर्थिक न्याय की अनिवार्य शर्त बन गई है। भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार ने गिग रोजगार को नई गति दी है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, देश में गिग वर्कर्स की संख्या वर्ष 2029-30 तक लगभग 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। यह संख्या बताती है कि आने वाले समय में रोजगार का यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने वाला है। भोजन की आपूर्ति, परिवहन, ई-कॉमर्स, घरेलू सेवाओं और विभिन्न डिजिटल मंचों पर काम करने वाले लाखों लोग शहरों की आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर बनी हुई है। एक डिलीवरी कर्मी सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाए तो उसकी आमदनी तत्काल बंद हो सकती है। बीमारी के कारण कई दिन काम न कर पाने पर परिवार का खर्च चलाना कठिन हो जाता है। महिलाओं के सामने मातृत्व अवकाश और आय की निरंतरता जैसी चुनौतियाँ हैं। वृद्धावस्था में नियमित पेंशन का अभाव उनकी चिंता को और बढ़ा देता है।

सामाजिक सुरक्षा का मूल उद्देश्य श्रमिकों को जीवन की अनिश्चित परिस्थितियों में आर्थिक सहारा देना है। गिग वर्कर्स के संदर्भ में इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है क्योंकि उनकी आय काम की उपलब्धता, ग्राहकों की माँग, मौसम, मंचों की नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं पर निर्भर करती है। कई बार मंचों द्वारा भुगतान दरों में बदलाव या प्रोत्साहन राशि में कटौती से उनकी वास्तविक आय प्रभावित होती है। ऐसे में दुर्घटना बीमा, जीवन बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था पेंशन जैसी सुविधाएँ उन्हें आर्थिक संकट से बचा सकती हैं। सामाजिक सुरक्षा का लाभ केवल श्रमिक तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके पूरे परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है। इससे गरीबी, असमानता और आर्थिक अस्थिरता को कम करने में भी सहायता मिलती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 में गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को अलग श्रेणी के रूप में मान्यता दी गई है। इस संहिता के अंतर्गत उनके लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ बनाने और लागू करने का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रमिकों, एग्रीगेटर्स और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करना तथा कल्याणकारी योजनाओं की दिशा तय करना है। 22 सदस्यीय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में विभिन्न हितधारकों की भागीदारी का प्रावधान इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे बोर्ड केवल योजनाओं की अनुशंसा करने वाली संस्थाएँ न बनें बल्कि श्रमिकों की वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके समाधान का प्रभावी माध्यम बनें, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।

इन बोर्डों की भूमिका कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। पहला, वे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के निर्माण और उनकी प्राथमिकताओं के निर्धारण में योगदान दे सकते हैं। दूसरा, वे जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, दिव्यांगता सहायता, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था सुरक्षा जैसी सुविधाओं के विस्तार की निगरानी कर सकते हैं। तीसरा, योजनाओं पर होने वाले व्यय और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा करके जवाबदेही सुनिश्चित कर सकते हैं। चौथा, वे यह व्यवस्था विकसित करने में मदद कर सकते हैं कि किसी श्रमिक को एक डिजिटल मंच से दूसरे मंच पर जाने या एक राज्य से दूसरे राज्य में काम करने पर उसके सामाजिक सुरक्षा लाभ समाप्त न हों। ई-श्रम पोर्टल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। आधार से जुड़ा पंजीकरण श्रमिकों की पहचान और उनके कल्याणकारी लाभों की उपलब्धता को सुगम बना सकता है। हालांकि केवल पंजीकरण कर देना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सफलता तब होगी, जब पंजीकृत श्रमिक को समय पर दुर्घटना सहायता, बीमा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य निर्धारित लाभों का भुगतान भी मिले। इसके लिए डिजिटल व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और श्रमिकों के अनुकूल बनाना होगा। हालाँकि इस व्यवस्था के सामने कई गंभीर चुनौतियाँ हैं। सबसे बड़ी समस्या रोजगार संबंधों की अस्पष्टता है। गिग वर्कर्स को अक्सर स्वतंत्र साझेदार या सेवा प्रदाता माना जाता है, जबकि उनके काम की शर्तें, भुगतान, कार्य आवंटन और प्रदर्शन का मूल्यांकन डिजिटल मंचों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। ऐसे में यह तय करना कठिन हो जाता है कि सामाजिक सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है। दूसरी समस्या योजनाओं और वास्तविक लाभों के बीच अंतर है। कई श्रमिकों को योजनाओं की जानकारी नहीं होती, तो कुछ के लिए पंजीकरण और दावा प्रक्रिया जटिल होती है। तीसरी चुनौती श्रमिकों के प्रतिनिधित्व की है। यदि नीतिगत निर्णयों में उनकी वास्तविक भागीदारी नहीं होगी तो योजनाएँ जमीनी जरूरतों के अनुरूप नहीं बन पाएँगी। वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता भी एक बड़ा प्रश्न है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एग्रीगेटर्स के योगदान का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत उनके वार्षिक कारोबार के एक से दो प्रतिशत तक योगदान की व्यवस्था निर्धारित की गई है, जो श्रमिकों को किए गए भुगतान की कुल राशि के पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इस व्यवस्था का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा के लिए स्थायी वित्तीय आधार तैयार करना है। लेकिन योगदान की गणना, संग्रह और उपयोग में पारदर्शिता आवश्यक है। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका आर्थिक बोझ किसी अप्रत्यक्ष तरीके से श्रमिकों की आय पर न डाला जाए।

आगे की राह स्पष्ट है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। प्रत्येक गिग वर्कर का सरल पंजीकरण, विभिन्न मंचों पर पोर्टेबल लाभ, नियमित सामाजिक सुरक्षा अंकेक्षण और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी होगी। महिला श्रमिकों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मातृत्व सहायता और सुरक्षित कार्य परिस्थितियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। साथ ही, सामाजिक सुरक्षा बोर्डों में श्रमिक प्रतिनिधियों की वास्तविक और पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। गिग इकोनॉमी भारत की नई आर्थिक वास्तविकता है। इसे रोजगार सृजन और उद्यमशीलता के अवसरों के रूप में देखना चाहिए लेकिन केवल रोजगार के अवसर बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। विकास तभी सार्थक होगा, जब उस विकास को गति देने वाले श्रमिकों का जीवन भी सुरक्षित और सम्मानजनक बने। तकनीक और बाजार की प्रगति का लाभ श्रमिकों तक पहुँचना चाहिए। सामाजिक सुरक्षा बोर्ड इस दिशा में महत्वपूर्ण सेतु बन सकते हैं। आवश्यकता है कि उनकी भूमिका कागजी अनुशंसाओं तक सीमित न रहे बल्कि योजनाओं का लाभ अंतिम श्रमिक तक पहुँचे। लचीला रोजगार श्रमिकों की स्वतंत्रता बढ़ा सकता है लेकिन सामाजिक सुरक्षा के अभाव में यही स्वतंत्रता आर्थिक असुरक्षा में बदल जाती है। इसलिए गिग वर्कर्स को केवल डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं बल्कि अधिकारों और सम्मान वाले श्रमिक के रूप में स्वीकार करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है। धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है।

धनतेरसः धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व

ललित गर्ग



पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामत: हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंतत: मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है। धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं।

सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं। लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंतत: जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए। इसलिए धनतेरस पर हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि इस वर्ष हमारी संपत्ति कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि हमारा संतोष कितना बढ़ा, हमारा चरित्र कितना मजबूत हुआ, हमारी करुणा कितनी गहरी हुई और हमारे धन से कितने जीवनों में उजाला आया। हमारे पास कार न हो, कोठी न हो, ऊँची कुर्सी न हो-कोई बात नहीं, लेकिन हमारे पास ईमान, इंसानियत, आत्मसम्मान, संयम और चरित्र अवश्य होना चाहिए। यही वह संपदा है जिसे न बाजार खरीद सकता है, न समय छीन सकता है। धनतेरस का दीप तभी सच्चे अर्थों में जलेगा, जब हमारे भीतर धन के साथ धर्म, समृद्धि के साथ संवेदना, भोग के साथ संयम और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व का प्रकाश भी जले। धन की समृद्धि जीवन को सुविधापूर्ण बना सकती है, लेकिन चरित्र की समृद्धि ही जीवन को महान बनाती है। यही धनतेरस का सनातन संदेश है और यही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

विचार

वैध-अवैध खनन से गंभीर पर्यावरणीय क्षति

वीरेंद्र कुमार दर्दनाक

सत्ताईस मार्च, 2025 को लोकसभा में हरिद्वार सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने राज्य में अवैध नदी खनन तथा उससे जनजीवन और पारिस्थितिकी को हो रहे नुकसान का गंभीर मुद्दा उठाया था। वहीं, राज्य सरकार के सचिव का जवाब पर्यावरणीय दुष्प्रभावों पर मौन रहा और मुख्यत: इस तर्क पर केंद्रित रहा कि यदि अवैध खनन हो रहा होता, तो राज्य का खनन राजस्व कैसे बढ़ता? उत्तराखंड में ही शराब की बिक्री से राज्य का राजस्व दिन दूना, रात चौगुना बढ़ रहा है, तो क्या इसका अर्थ यह है कि राज्य में अवैध शराब की तस्करी और निर्माण नहीं हो रहा है? देहरादून जिले में ही डोईवाला, विकासनगर, रायपुर और ऋषिकेश के क्षेत्रों में अवैध खनन हो रहा है। श्रीनगर और कोटद्वार से भी राजधानी तक अवैध खनन की जानकारी है। आज उत्तराखंड में नदियों से अवैध रेत-बजरी का खनन लगातार 'हिंसक' होता जा रहा है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा का अपने कार्यकाल के दौरान एक सार्वजनिक बयान था कि बिना पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के किसी भी नदी में खनन गतिविधि नहीं होगी। तब ऐसा कहना सरकार की मजबूरी थी। नदी खनन को अधिकांशत: राजस्व का विषय भर मान लिया जाता है, जबकि यह वास्तव में पर्यावरण का विषय भी है। जहां तक नदी खनन के पारिस्थितिकीय प्रभावों की बात है, वे केवल अवैध खनन से ही नहीं, बल्कि वैध खनन से भी हो सकते हैं। इसीलिए आज उन मानदंडों को लेकर सार्वजनिक बहस होना भी जरूरी है, जिन्हें नदियों में खनन की अनुमति देने से पहले पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के लिए सभी राज्यों में अनिवार्य किया जाना चाहिए। नदियों में खनन का यथार्थ यही रहा है कि जितने खनन की अनुमति ली जाती है, उससे कई गुना अधिक खनन होता है। वैज्ञानिक जब नदियों में खनन के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करते हैं तो वे यह भी देखते हैं कि नदियों में बहकर आने वाली मिट्टी, बजरी और पत्थरों की रासायनिक एवं खनिज संरचना क्या है। नदियां कई जगह धात्विक और आणविक खनिज भी बहाकर लाती हुई देखी गई हैं। नदी में रहते हुए इन खनिजों का वनस्पति, जल और जलीय जीवों की गुणवत्ता पर क्या असर पड़ता है? इनकी निकासी से क्या प्रभाव पड़ेगा? इन्हें खुले में किन सावधानियों के साथ रखा जाना चाहिए? नदी खनन के पारिस्थितिकीय प्रभाव आकलन में नदी के पार्श्ववर्ती क्षेत्रों में भूजल स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव, किनारों के कटाव, नए भूस्खलन, भूधंसाव और भूक्षरण की आशंका वाले क्षेत्रों का भी उल्लेख होना चाहिए। राज्यों में पार्कों और अभयारण्यों के पास की नदियों में खनन के दौरान मशीनों से उत्पन्न होने वाले शोर और रोशनी तथा पार्क की सीमा से कम से कम दूरी बनाए रखने संबंधी दिशा-निर्देशों की कसौटी पर भी नदी खनन के पारिस्थितिकीय प्रभाव आकलन को परखा जाना चाहिए।

मानक तय होने के बाद भी यदि खनन माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों का गठजोड़ बरकरार रहे तथा सब कुछ खनन की मात्रा, भंडारण क्षमता, भंडारण स्थल और नदी के पाटों में मशीनों के संचालन तक ही सीमित रहे तो पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रभावित होंगे ही। मुख्यमंत्री हरीश रावत की सरकार ने भी यह पाया था कि बिना पर्यावरणीय क्लीयरेंस के नदी खनन के पट्टे दे दिए गए हैं। वर्ष 2013 के अंतिम महीनों में नदियों में अवैध खनन रोकने के लिए गठित टास्क फोर्स ने करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी थी। एक ही रवन्ने पर कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में खनिज निकाला गया। नदियों में खनन से उनके पार्श्ववर्ती क्षेत्रों और तल के भूजल स्तर एवं स्वरूप पर भी असर पड़ता है। नदियों के किनारे स्थित उन सतही जलाशयों और जल भंडारण वाले क्षेत्रों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है, जहां मछलियां या अन्य जलीय जीव अंडे देने और प्रजनन के लिए आते हैं। हाथी और अन्य वन्यजीव भी पानी पीने या भोजन की तलाश में इन क्षेत्रों में आते हैं। प्रवासी पक्षियों के प्रवास पर भी इसका असर पड़ता है। वनस्पतीय जैव विविधता भी प्रभावित हो सकती है। नदियों में खनन का असर उनके जल की रासायनिक गुणवत्ता पर भी पड़ता है। इसके अतिरिक्त, भूक्षरण, सिंकहोल, जैव विविधता और शोर के स्तर पर भी प्रभाव पड़ता है। बरसात के दिनों में इन नदियों की सहायक नदियों में गाद की मात्रा बढ़ जाती है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में नदियों के खनन या चुगान के नियंत्रणकारी अधिकार वन विभाग को दिए गए हैं। यदि नदियों में खनन का पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय प्रभाव न होता, तो केंद्र सरकार का वन एवं पर्यावरण मंत्रालय गौला, रामगंगा और आसन जैसी नदियों में कब, कब तक और कहां-कहां खुदान एवं चुगान का काम होगा, यह क्यों तय करता? निस्संदेह, पर्यावरणीय पहलुओं के अलावा नदियों के खनन के आर्थिक, सामाजिक और संरचनात्मक विकास से जुड़े पक्ष को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हद तो यह है कि घोषित इको-सेंसिटिव और वन क्षेत्रों में भी अवैध रेत खनन हो रहा है।

एक नजर

लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यवस्था की मजबूती जरुरी : भूपेंद्र यादव



दरभंगा,एजेंसी। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने एसआईआर को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में यह प्रक्रिया पहली बार नहीं हो रही है। वर्ष 1950 से अब तक आठ बार एसआईआर हो चुका है। इस बार नौवीं बार यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यवस्था का मजबूत बने रहना जरुरी है। दरभंगा में गुरुवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव शामिल हुए। उनके साथ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी मौजूद रहे। रैली के दौरान लहेरियासराय स्थित पोलो मैदान के धरना स्थल से शुरू हुए कार्यक्रम में केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि एसआईआर देश के लिए है और देश के लोकतंत्र के लिए जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए इस प्रक्रिया का महत्व है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का विरोध करने वाले लोग घुसपैठियों से भारत के नागरिकों को हराने में जुटे हैं। भूपेंद्र यादव ने स्पष्ट किया कि एसआईआर में किसी का नाम नहीं काटा जा सकता है। सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) होते हैं। पिछले चुनाव में पार्टियों के एक लाख 70 हजार बीएलए थे लेकिन सुप्रीम कोर्ट में मात्र दो पर आपत्ति दर्ज कराई। सुप्रीम कोर्ट ने जांच के बाद एसआईआर की प्रक्रिया को पूरी तरह सही बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय एसआईआर में चार दस्तावेजों का विकल्प था। वर्तमान सरकार में इसे बढ़ाकर 11 कर दिया गया है। इनमें से कोई एक दस्तावेज दिखाकर व्यक्ति अपना नाम जुड़वा सकता है और मतदान की प्रक्रिया में भाग ले सकता है।

विक्रमशिला सेतु मरम्मत : 4 में से 2 हिस्सों में गर्डर लॉन्चिंग पूरी ; इंजीनियरिंग जटिलताओं के कारण 14 जनवरी की डेडलाइन पर संशय



भागलपुर,एजेंसी। उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाली लाइफलाइन विक्रमशिला सेतु के जीर्णोद्धार कार्य में तेजी आई है। हालिया प्रगति के अनुसार, सेतु के बेली ब्रिज वाले पुराने स्थान पर दो स्टील ट्रस गर्डर की लॉन्चिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। तकनीकी विभाग और इंजीनियरों की टीम चौबीसों घंटे इस मिशन में जुटी हुई है। हालांकि, कार्य की बेहद जटिल प्रकृति और कड़े तकनीकी मानकों के कारण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम द्वारा तय की गई 14 जनवरी की समय सीमा का मिस होना लगभग तय माना जा रहा है। तकनीकी सूत्रों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पुल के पुनर्स्थापन की मूल योजना के तहत कुल चार प्रभावित बड़े हिस्सों को दुरुस्त किया जाना है। डिजाइन के मुताबिक इन चारों हिस्सों में दो-दो स्टील गर्डर लगाए जाने हैं, यानी कुल आठ स्टील गर्डर स्थापित होने हैं। वर्तमान में केवल दो जगहों पर ही काम पूरा हो पाया है, जबकि बाकी बचे दो हिस्सों के लिए पुरानी और जर्जर कंक्रीट बीम को काटने का बेहद संवेदनशील काम अभी भी जारी है। गर्डर लॉन्चिंग के बाद लोहे की चदरें बिछाई जाएंगी, फिर सरिया का जाल बांधकर कंक्रीट स्लैब की ढलाई होगी। इंजीनियरों का लक्ष्य 15 दिसंबर तक ढलाई पूरी करने का है। तकनीकी नियमों के मुताबिक, कंक्रीट ढलाई के बाद कम से कम 28 दिनों तक उसकी क्योरिंग की जाती है और उसके बाद ही लोड टेस्ट किया जा सकता है। इस वैज्ञानिक प्रक्रिया को तेज नहीं किया जा सकता, जिसके कारण जनवरी के मध्य तक पुल पूरी तरह चालू होना व्यावहारिक रूप से मुश्किल है। उल्लेखनीय है कि प्रशासनिक और निर्माण टीम पुल पर से पुराने कंक्रीट फुटपाथ और भारी रेलिंग को हटाकर हल्के स्टील के ढांचे फिट कर रही है ताकि पुल का कुल भार कम किया जा सके। बचे हुए दो हिस्सों में अगले कुछ दिनों में नई बेयरिंग सेट करने के बाद बाकी के गर्डर लॉन्च किए जाएंगे। यातायात को सुचारू रखने के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर बरारी बियाडा घाट से मालवाहक जहाजों शका परिचालन शुरू कराया है, जिससे बड़ी गाड़ियों को पार कराया जा सके और स्थानीय जनता को कम से कम परेशानी हो।

किराना दुकान की आड़ में गांजा कारोबार, 136 ग्राम गांजा के साथ दुकानदार गिरफ्तार

नवादा। नवादा जिले के रजौली बाजार में किराना दुकान की आड़ में गांजा का कारोबार किए जाने का मामला सामने आया है। गुप्त सूचना के आधार पर रजौली पुलिस ने गुरुवार को तकिया मोहल्ला स्थित कलाली गली में छापेमारी कर 136 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने दुकान संचालक को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कलाली गली में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने राजेंद्र चौधरी के मकान में संचालित किराना दुकान पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान दुकान से 136 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने मौके से राजेंद्र चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेंद्र चौधरी, पिता स्वर्गीय टुनू चौधरी, निवासी तकिया मोहल्ला, कलाली गली, रजौली बाजार के रूप में हुई है। इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस अवर निरीक्षक सचिन कुमार ने किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में रजौली थाना कांड एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(वी)25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गांवों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री



पटना,एजेंसी। विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) को लेकर गुरुवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धता बढ़ाने के साथ गांवों का समग्र एवं संतुलित विकास सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी जी राम जी मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी है। केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच 60:40 के अनुपात में वित्त पोषण की व्यवस्था होगी। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर अर्थात् 15 दिनों में मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी जी राम जी मिशन के तहत गांवों के समग्र विकास एवं ग्रामीण रोजगार के लिए 22,000 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं को शामिल करें। आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण में 12 लाख रूपये खर्च किये जायेंगे। साथ ही अतिरिक्त 02 लाख रूपये आंगनबाड़ी केन्द्रों के साज-सज्जा, पठन-पाठन सामग्री, फर्नीचर आदि पर खर्च किये जायेंगे।

उन्होंने कहा कि वीबी जी राम जी मिशन के तहत अभी तक 1.5 लाख योजनायें ली गई हैं, इनकी संख्या बढ़ाकर 3 लाख करें। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी गांवों में मुलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये उन सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें, इसके लिए संबंधित विभाग समन्वय करें, जिलाधिकारी इसकी सतत् निगरानी करें। आंगनबाड़ी, स्कूल, हेल्थ केयर सेंटर, ग्रामीण हाट, वृक्षारोपण कार्य, जल संरक्षण, विद्यार्थियों के लिए खेल मैदान का निर्माण सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं को पूर्ण करने के लिए तेजी से काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को विकसित करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए। इसके तहत जल सुरक्षा, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्द्धन तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित चार प्रमुख श्रेणियों में कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने योजनाओं के चरणबद्ध क्रियान्वयन के साथ कार्यों की निगरानी में तकनीक के अधिकाधिक उपयोग तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सामाजिक अंकेक्षण की प्रभावी व्यवस्था और जनशिकायतों के त्वरित निवारण पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत आधारभूत संरचनाओं के निर्माण एवं विकास को विशेष प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य में जल संरक्षण को लेकर कहा कि नहरों, जलाशयों एवं अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार आवश्यक है। इन संरचनाओं की मरम्मती एवं पुनर्स्थापन के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को इन कार्यों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया, ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो सके। उन्होंने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को जल संरक्षण एवं वनीकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने भू-जल स्तर को बनाए रखने तथा भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जल संरक्षण से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

धनतेरस पर सुपौल का बाजार गुलजार, बर्तन, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़

सुपौल। धनतेरस को लेकर गुरुवार को सुपौल शहर का बाजार पूरी तरह गुलजार नजर आया। दीपावली की तैयारियों के बीच धनतेरस पर खरीदारी करने के लिए सुबह से ही शहर के विभिन्न बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। बर्तन, सोना-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक्स, बाइक, फर्नीचर और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। बाजार में बढ़ी रौनक से दुकानदारों के चेहरे भी खिले नजर आए। वहीं, दूसरी ओर खरीदारों की भारी भीड़ के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया और कई प्रमुख चौक-चौराहों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

धनतेरस के अवसर पर परंपरा के अनुसार बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य घरेलू सामान खरीदने को शुभ माना जाता है। इसी को लेकर लोग अपनी पसंद और बजट के अनुसार खरीदारी करते दिखाई दिए। खासकर बर्तन की दुकानों पर स्टील, पीतल, तांबा और कांसे के बर्तनों की मांग देखी गई। वहीं, आभूषण दुकानों में सोने-चांदी के सिक्के, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां और चांदी के छोटे आभूषण खरीदने के लिए ग्राहक पहुंचे। इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। लोग टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, मोबाइल और अन्य घरेलू उपकरणों की खरीदारी करते नजर आए। इसके अलावा बाइक और दोपहिया वाहनों के शोरूम में भी धनतेरस को लेकर विशेष तैयारी की गई थी। बाजार में दीपावली की सजावट से संबंधित सामान, रंग-बिरंगी लाइटें, झालर, दीये, मोमबत्तियां और पूजन सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। मिठाई और फूल-माला की दुकानों पर भी त्योहार को लेकर चहल-पहल बनी रही। शहर के पोस्ट ऑफिस के समीप, महावीर चौक और गुजरी बाजार में सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। इन इलाकों में खरीदारों के साथ-साथ वाहनों की आवाजाही बढ़ने से जाम की समस्या गंभीर हो गई। कई जगह स्थिति ऐसी रही कि लोगों को पैदल चलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजार में खरीदारी करने पहुंचे लोगों को थोड़ी दूरी तय करने में भी काफी समय लग रहा था। सड़क किनारे और दुकानों के सामने बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों ने भी परेशानी बढ़ाई। यातायात व्यवस्था को संभालने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। पोस्ट ऑफिस के पास एक महिला पुलिसकर्मी को भी यातायात नियंत्रण की जिम्मेदारी दी गई है।

सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने तेलघी पंचायत पहुंचीं डीएम अलंकृता पांडेय

भागलपुर। जिले के नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत खरीक प्रखंड की तेलघी पंचायत में गुरुवार को उस समय प्रशासनिक हलचल तेज हो गई, जब जिलाधिकारी श्रीमती अलंकृता पांडेय विभिन्न सरकारी भवनों और विकास योजनाओं का जायजा लेने जमीनी स्तर पर पहुंचीं। शासन को पारदर्शी बनाने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से किए गए इस स्थलीय निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक (नवगछिया) सहित जिले के कई अन्य वरीय पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पंचायत सरकार भवन, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य उप-केंद्रों और विभिन्न सरकारी विद्यालयों का गहन मुआयना किया। उन्होंने न सिर्फ फाइलों व सरकारी अभिलेखों के रख-रखाव को देखा, बल्कि संबंधित कर्मियों की उपस्थिति और आम जनता को मिलने वाली सुविधाओं की भी समीक्षा की। हमेशा अपने कड़े और निर्णायक फैसलों के लिए जानी जाने वाली डीएम अलंकृता पांडेय ने चल रही विकास योजनाओं की सुस्त रफ्तार पर नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर मौजूद अभियंताओं और तकनीकी पदाधिकारियों को स्पष्ट लहजे में निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि तय समय के भीतर कार्य पूरे नहीं हुए, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नवगछिया पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और हाल ही में गंगा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के बाद उत्पन्न हुई स्थितियों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने स्थानीय ग्रामीणों से भी मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम जनता के राजस्व, दाखिल-खारिज और अन्य जरूरी कागजी कार्यों का निपटारा संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस औचक निरीक्षण से पूरे प्रखंड के लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप का माहौल देखा गया।

ऑपरेशन मुस्कान से 53 लोगों के चेहरे पर लौटी खुशी, 14 लाख के मोबाइल बरामद

किशनगंज,एजेंसी। जिले में खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की तलाश में जुटी किशनगंज पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से 53 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में वास्तविक धारकों को उनके मोबाइल सौंपे। लंबे समय बाद अपना खोया मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि जिले में खोए, गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए सभी थानों के अपर थानाध्यक्षों और जिला आसूचना इकाई की संयुक्त विशेष टीम गठित की गई है। टीम ने ष्टश्वङ्कक्र पोर्टल, आधुनिक तकनीक और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर अभियान चलाकर यह सफलता हासिल की है।



बरामद 53 मोबाइल जिले के 15 थाना क्षेत्रों से मिले हैं। इनमें किशनगंज थाना से 16, कोचाधामन से आठ, कुर्लीकोट से सात, ठाकुरगंज से चार, साइबर और दिघलबैंक थाना से तीन-तीन, गलगलिया, बहादुरगंज और अर्राबाड़ी से दो-दो तथा कोढ़ाबारी, फतेहपुर, पहाड़कट्टा, सुखानी, पौआखाली और पाठामारी थाना क्षेत्र से एक-एक मोबाइल बरामद किया गया है। इनमें वीवो, पोको, रेडमी, शाओमी, रियलमी, वनप्लस, ओप्पो, सैमसंग, आईक्यूओओ, मोटोरोला, नथिंग और इनफिनिक्स समेत कई कंपनियों के मोबाइल शामिल हैं। इस अभियान की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अप्रैल 2026 से अब तक किशनगंज पुलिस कुल 159 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को वापस कर चुकी है। इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब 41 लाख 20 हजार रुपये है। पुलिस अधीक्षक ने मोबाइल बरामदगी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिला आसूचना इकाई के कर्मियों और संबंधित थानों के अपर थानाध्यक्षों को पुरस्कृत करने की घोषणा भी की है। एसपी ने कहा कि 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि मोबाइल खोने, गुम होने या चोरी होने पर तत्काल संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही ष्टश्वङ्कक्र पोर्टल (222.ष्ठद्बह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ) पर भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं, ताकि तकनीकी माध्यम से मोबाइल को ट्रैक कर बरामद किया जा सके।

सारण में त्योहारों एवं ऋतुओं के संग बदलता बाजार



सारण,एजेंसी। जिले की संस्कृति और परंपराओं की सबसे खूबसूरत झलक यहाँ के बाज़ारों में देखने को मिलती है। जैसे-जैसे ऋतुएँ बदलती हैं, त्योहारों का आगमन होता है और उसी के साथ यहाँ के बाज़ारों का रंग-रूप भी पूरी तरह बदल जाता है। बाजार का यह बदलता दृश्य न केवल यहाँ की आर्थिक गतिविधियों को गति देता है, बल्कि लोक आस्था और जन-जीवन के गहरे जुड़ाव को भी उजागर करता है। कार्तिक मास में वर्ष का सबसे बड़ा व्यापारिक समय धनतेरस और दीपावली पर देखने को मिलता है, जब बाज़ार जगमगा उठते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, नए बर्तन, रंग-बिरंगे दीये, झालरें और सजावटी सामानों की भारी बिक्री होती है।

इसके बाद आता है उत्तर भारत और बिहार का सबसे पवित्र लोक आस्था का महापर्व छठ। इस दौरान सारण का ऐसा कोई कोना या दुकान नहीं होती जहाँ छठ व्रत से जुड़ी सामग्रियाँ न मिल रही हों। सूप, दउरा, फल, ठेकुआ सामग्री और गन्ने से पूरा शहर पटा रहता है। इसके बाद बिहार समेत संपूर्ण देश में अलग-अलग नाम से खिचड़ी का त्योहार मनाया जाता है जिसमें बाजार दही, चुरा तिल, गुड़, लाई एवं कसार मीठी खुशबू से एक अलग माहौल पैदा कर देता है। वहीं फागुन मास में विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा और बाजार में सजावटी सामान छा जाता है उसके बाद आता है रंगों का त्योहार होली जिसमें खाद्य सामग्री कपड़े एवं रंग गुलाल से पूरा बाजार रंग बिरंगा दिखने लगता है। भारतीय कैलेंडर अनुसार चैत्र मास की शुरुआत शुरुआत होती है तो नवरात्र एवं रामनवमी के जैसे त्योहारों में पूरा बाजार तिलंगी, ध्वज एवं अन्य पूजन सामग्रियों से छा जाता है।

सावन का महीना आते ही पूरा सारण केशरिया रंग में रंग जाता है। मुख्य बाज़ारों से लेकर गलियों की दुकानों तक, भगवान भोलेनाथ के पूजन सामग्रियाँ, बेलपत्र, भांग और केसरिया वस्त्र छा जाते हैं। इसके तुरंत बाद राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति का माहौल बनता है, जहाँ हर दुकान तिरंगे की विविध कलाकृतियों, झंडों और सजावटी सामानों से सज उठती है। तारीखों के आगे बढ़ते ही भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक राखी का त्योहार आता है। बाज़ारों में सजी रंग-बिरंगी राखियों की दुकानें और मिठाइयों की महक हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। माह बदलते ही जन्माष्टमी के अवसर पर दुकानों में बाल-गोपाल के सुंदर वस्त्र, मुकुट, बांसुरी और श्रृंगार के सामानों की भरमार दिखती है, वहीं शारदीय नवरात्रि और दशहरा में माँ दुर्गा के पूजन-सामान से बाज़ार गुलज़ार रहते हैं। सारण का बाज़ार केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का केंद्र नहीं है, बल्कि यह यहाँ के बदलते मौसम, उमंग और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक सजग दर्पण है।

गंगा की गाद से थमेगा भीषण कटाव, जिले के तीन बड़े फोरलेन प्रोजेक्ट्स को मिलेगी मुफ्त मिट्टी



भागलपुर। बिहार में बाढ़ और कटाव की विभीषिका झेल रहे भागलपुर जिले के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच हुआ नया समझौता ज्ञापन एक बड़ा वरदान साबित होने जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच 'नदी संजीवनी' कार्यक्रम के तहत हुए इस ऐतिहासिक समझौते से भागलपुर में गंगा नदी का स्वरूप बदलेगा। योजना के तहत गंगा नदी से वैज्ञानिक तरीके से भारी मात्रा में गाद निकाली जाएगी और इसका उपयोग सीधे भागलपुर मंडल में बन रहे महत्वपूर्ण नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स में मिट्टी की जगह किया जाएगा। गंगा में गाद जमा होने के कारण भागलपुर और नवगछिया के इलाकों में हर साल होने वाले भीषण नदी कटाव और बाढ़ से त्रस्त लाखों लोगों को अब इस कदम से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

जल संसाधन विशेषज्ञों के अनुसार, बक्सर और पटना के मुकाबले भागलपुर और कटिहार आते-आते गंगा नदी में गाद जमा होने के कारण इसकी चौड़ाई बढ़कर 38 से 40 किलोमीटर तक हो जाती है। नदी के उथले होने की वजह से पानी का प्राकृतिक प्रवाह रुक जाता है और नदी अपना रास्ता बदलकर किनारों को काटने लगती है। हाल ही में भागलपुर के खरीक प्रखंड के राघोपुर मार्जिनल बांध और सुल्तानगंज के भवनाथपुर में गंगा के तेज कटाव और बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे हजारों परिवारों को पलायन करना पड़ा था। अब नदी से गाद की ड्रेजिंग होने से पानी सीधे मुख्य धारा में बहेगा, जिससे तटबंधों पर दबाव कम होगा और खरीक, नवगछिया, गोपालपुर, नाथनगर और सुल्तानगंज के दियारा क्षेत्रों को कटाव से मुक्ति मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भागलपुर जिले और इसके आसपास चल रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं में गंगा से निकाली गई गाद का मुफ्त इस्तेमाल करेगा। भागलपुर बाईपास- रसलपुर फोरलेन प्रोजेक्ट के निर्माण में बड़े पैमाने पर भराव के लिए मिट्टी की जरूरत थी, जो अब गंगा की गाद से पूरी होगी। मुंगेर-मिर्जाचौकी फोरलेन : भागलपुर जिले की लाइफलाइन माने जाने वाले इस फोरलेन कॉरिडोर के निर्माण को गाद मिलने से नई गति मिलेगी। भागलपुर - खड़हरा (ढाका मोड़) फोरलेन: बांका और संताल परगना को जोड़ने वाले इस प्रोजेक्ट में भी इसी गाद का उपयोग किया जाएगा। मणिकपुर- साहेबगंज फोरलेन: इस रूट के सुदृढ़ीकरण में गाद का इस्तेमाल एक बड़ा विकल्प बनेगा। कटाव पीड़ित खरीक के ग्रामीणों का कहना है, 'हर साल बाढ़ आने पर हमारा घर और खेत गंगा में विलीन हो जाते हैं। अगर सरकार सच में वैज्ञानिक तरीके से गाद हटाकर नदी को गहरा करती है, तो यह हमारे जीवन की सबसे बड़ी राहत होगी।'

एक नजर

अभिषेक की पारी से रेलवे अंडर-23 ने दर्ज की जीत



प्रयागराज,एजेंसी। शहर के क्रिकेटर अभिषेक कौशल के शतक (127) से रेलवे अंडर-23 टीम ने उत्तर प्रदेश अंडर-23 के खिलाफ खेले गए सीके नायडू ट्रॉफी एलीट ग्रुप के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को 38 रन से जीत दर्ज की। रेलवे क्रिकेट मैदान, राजकोट में खेले गए चार दिवसीय मुकाबले में रेलवे अंडर-23 ने पहली पारी में 126 ओवर में 368 रन बनाए। प्रयागराज के बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक कौशल ने 292 गेंदों का सामना करते हुए 127 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके शामिल रहे। इसके जवाब में उत्तर प्रदेश अंडर-23 की टीम पहली पारी में 55.5 ओवर में 179 रन ही बना सकी। रेलवे ने दूसरी पारी में 43.4 ओवर में 151 रन बनाए। इसके बाद उत्तर प्रदेश की टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।कमला नगर प्रयागराज निवासी विनय कुमार एवं माया आर्या के पुत्र अभिषेक कौशल फाफामऊ क्लब से क्रिकेट खेलते हैं। वह क्लब के कोच गौरव पाठक और अचल यादव के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। नार्थ फ्रंटियर रेलवे असम में कार्यरत अभिषेक की इस शानदार पारी से फाफामऊ क्लब में भी खुशी का माहौल है।अभिषेक कौशल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच गौरव पाठक और अचल यादव को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से ही वह लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। उनका लक्ष्य भविष्य में प्रदेश और देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करना है।

शुआट्स अकादमी ने 3-0 से जीती एससीएपी ट्रॉफी



प्रयागराज,एजेंसी। शुआट्स क्रिकेट अकादमी प्रयागराज ने एससीएपी ट्रॉफी क्रिकेट सीरीज के तीसरे एवं अंतिम मुकाबले में यूथ क्रिकेट अकादमी मिर्जापुर को 17 रन से पराजित कर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ शुआट्स क्रिकेट अकादमी ने ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। शुआट्स मैदान पर गुरुवार को सीरीज के फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए शुआट्स क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 25 ओवर में आठ विकेट पर 133 रन (दिव्यांश 61, निहाल 18, आकाश पटेल 11, सुधांशु सिंह 3/19, राजवीर 2/17 तथा तन्मय मिश्रा व आर्यन यादव एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में यूथ क्रिकेट अकादमी मिर्जापुर की टीम निर्धारित 25 ओवर में आठ विकेट पर 116 रन (राजवीर 65, सुधांशु सिंह 16, मोहम्मद तल्हा 3/17, साहिल 2/18 तथा अल बशर अली, अल्तमश व कबीर एक-एक विकेट) ही बना सकी। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) आशीष मैसी, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, शुआट्स रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रोफेसर राकेश साहू, प्रोफेसर अचिंत्य टेरिस और डॉ. वजाहत महमूद ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। प्रतियोगिता में राजवीर को बेस्ट बैटर, मोहम्मद तल्हा को बेस्ट बॉलर, मोहम्मद निहाल को बेस्ट फील्डर, अल्तमश को मैन ऑफ द टूर्नामेंट तथा अब्दुल कबीर को उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एनआईएस क्रिकेट प्रशिक्षक परवेज आलम ने धन्यवाद ज्ञापित एवं मोहम्मद जेब फारान ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर माबूद आलम, तनवीर अहमद, सूरज सिंह, आदित्य कुमार, समीर भारतीय, अरशद अली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दिविजा पॉल ने डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर चेन्नई में अंडर-13 एकल वर्ग का खिताब जीता



अहमदाबाद,एजेंसी। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन की पहल 'गर्व है' से जुड़ी युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी दिविजा पॉल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर चेन्नई 2026 में अंडर-13 एकल वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। यह प्रतियोगिता 23 से 26 अक्टूबर तक चेन्नई में आयोजित हुई। दिविजा ने इसके अलावा अपने से बड़ी आयु वर्ग में हिस्सा लेते हुए अंडर-15 मिश्रित युगल वर्ग के सेमीफाइनल तक भी जगह बनाई। दिविजा ने एक बयान में कहा कि चेन्नई में 'गर्व है' जर्सी पहनकर जीतना ऐसा पल है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। जब अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने मेरा समर्थन किया तो मुझे महसूस हुआ कि किसी को मेरी जीत पर पूरा भरोसा है। जब भी मैं टेबल पर उतरती हूं, यह भरोसा मेरे साथ रहता है। मैं इस सफर में मेरा और मेरे परिवार का साथ देने के लिए उनकी आभारी हूं। अब मेरा पूरा ध्यान जालंधर में होने वाली आगामी अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) चैंपियनशिप पर है। चेन्नई में मिली यह सफलता दिविजा के शानदार प्रदर्शन की कड़ी में एक और उपलब्धि है। इससे पहले उन्होंने फिलीपींस के प्यूर्टो प्रिंसेसा में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर 2026 में अंडर-13 एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा, उन्होंने 2025 और 2026 में वडोदरा में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्रतियोगिताओं में अंडर-11 और अंडर-13 वर्ग के स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं।

दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो ने की संन्यास की घोषणा, 23 साल का शानदार सफर खत्म

नई दिल्ली,एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। इसके साथ ही पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका 23 साल का शानदार सफर समाप्त हो गया। इस दौरान उन्होंने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं और खुद को फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में स्थापित किया। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी। भावुक संदेश में उन्होंने पुर्तगाल के लिए खेलने के अपने अनुभवों को याद किया और देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर देने के लिए प्रशंसकों का आभार जताया।



रोनाल्डो ने कहा कि अब राष्ट्रीय टीम की प्रतिष्ठित नंबर-7 जर्सी अगली पीढ़ी को सौंपने का समय आ गया है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को ऐसा सफर बताया, जिसने उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। उन्होंने अपने विदाई संदेश में कहा कि पुर्तगाल के लोगों, वह समय आ गया है जब मैं राष्ट्रीय टीम की नंबर-7 जर्सी वापस सौंप दूं। मुझे कभी नहीं लगा कि यह जर्सी सिर्फ मेरी है लेकिन 23 वर्षों तक इसे पहनने, इसका मान करने और दुनिया भर के स्टेडियमों में इसे अपने साथ ले जाने का सौभाग्य और जिम्मेदारी मिली। अब इसे भविष्य की पीढ़ी को सौंपने का समय आ गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह फैसला आसान नहीं था क्योंकि कुछ फैसले सिर्फ दिमाग से नहीं बल्कि दिल से भी लिए जाते हैं। अगस्त 2003 में शुरू हुआ यह सफर, जिसने मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी, अब समाप्त हो गया है। 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि जब मैं राष्ट्रीय टीम के साथ बिताए समय को याद करता हूं तो मुझे सिर्फ मैच, गोल, रिकॉर्ड या ट्रॉफियां ही नजर नहीं आतीं। मुझे लोग याद आते हैं। विदेशों में रहने वाले पुर्तगाली लोग याद आते हैं। मुझे लाखों पुर्तगाली लोग दिखते हैं जिनसे मैं कभी नहीं मिला लेकिन जो मेरी जिंदगी का हिस्सा बन गए। क्योंकि, आखिर में, फुटबॉल एक खेल से कहीं ज़्यादा बड़ा है।

फ़ुटबॉल लोगों के बारे में है। रोनाल्डो ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हुए उन्होंने हमेशा अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने की कोशिश की। मैं जीतना चाहता था। मैं और बेहतर बनना चाहता था। मैं इतिहास रचना चाहता था। मैंने हमेशा खुद से सबसे ज्यादा की उम्मीद रखी। मुझे हमेशा और चाहिए था। मुझे हमेशा विश्वास था कि हम और आगे जा सकते हैं। और इस जर्सी के लिए मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया। पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार जीतों और मुश्किल हार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरे करियर में कई शानदार दिन और रातें रहीं। ऐसी जीत मिलीं, जिन्हें मैं कभी नहीं भूलूंगा। कुछ हार ऐसी भी रहीं, जिन्हें याद करने पर आज भी तकलीफ होती है। मुझसे गलतियां हुईं, मैंने तकलीफें झेलीं और कई बार मैं पुर्तगाल के लोगों को वह खुशी नहीं दे सका, जिसकी उन्हें उम्मीद थी। लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी और सबसे बढ़कर पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व करना कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में मैंने कुछ साधारण बातें सीखी हैं। लक्ष्य फीके पड़ जाते हैं, ट्रॉफियां संग्रहालयों में पहुंच जाती हैं और रिकॉर्ड तो कभी न कभी टूट ही जाते हैं।

सैफ चैंपियनशिप : भारत ने जीत के साथ की शुरुआत, पाकिस्तान को 3-2 से हराया



ढाका,एजेंसी। गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान का शुरुआत की है। गुरुवार को बांग्लादेश के ढाका स्थित नेशनल स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-बी के पहले मुकाबले में भारत ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागकर मजबूत बढ़त बना ली थी लेकिन पाकिस्तान ने इंजरी टाइम में दो गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। हालांकि, भारत ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाया। 13वें मिनट में सुहैल अहमद भट ने पाकिस्तानी रक्षापंक्ति को भेदते हुए शानदार गोल किया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके छह मिनट बाद यानी 19वें मिनट में सुहैल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। भारतीय टीम ने आक्रमण जारी रखा और 31वें मिनट में मैंगलेंथांग किपगेन ने बेहतरीन गोल करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने खेल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, भारत अपनी बढ़त में इजाफा नहीं कर सका लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने भी पाकिस्तान को गोल का कोई मौका नहीं दिया। मुकाबले के इंजरी टाइम में पाकिस्तान ने अचानक वापसी की कोशिश की। नजीब उल्लाह ने 90+1वें मिनट में गोल कर पाकिस्तान का खाता खोला। इसके तीन मिनट बाद 90+4वें मिनट में आलमगीर गाजी ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया। लगातार दो गोल खाने के बाद भारतीय खेमे पर दबाव बढ़ गया लेकिन खिलाड़ियों ने संयम बनाए रखा और अंत तक अपनी बढ़त बरकरार रखी। इस तरह भारत ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम अब अपना अगला मुकाबला 11 नवंबर को ढाका के नेशनल स्टेडियम में मालदीव के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

एसए20 का पांचवां सीजन पिछले चार संस्करणों की सफलता को आगे बढ़ाएगा : ग्रीम स्मिथ

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की प्रमुख टी-20 लीग एसए20 का हर सीजन क्रिकेट के रोमांच और गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। लीग के कमिश्नर और पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भरोसा है कि पांचवां सीजन भी क्रिकेट प्रेमियों के लिए खास अनुभव लेकर आएगा। उनका कहना है कि पांचवां संस्करण, पिछले चार संस्करणों में देखने को मिले क्रिकेट के स्तर में सुधार के सिलसिले को आगे बढ़ाएगा। स्मिथ ने यह बात तब कही जब गुरुवार को एसए20 ने अपने पांचवें सीजन के अभियान की शुरुआत की। यह सीजन 17 जनवरी से 21 फरवरी, 2027 तक आयोजित होगा। लीग कमिश्नर ने कहा कि एसए20 के पांचवें सीजन में कदम रखते हुए यह लीग आज भी पूरी तरह से प्रशंसकों की है। उन्होंने हमारे स्टेडियमों को खचाखच भरा, अपने उत्साह से माहौल बनाया और इस लीग को खास पहचान दिलाई है। पांचवां सीजन उनके प्रति आभार जताने का हमारा तरीका है। उन्होंने कहा कि हम एक बार फिर दुनिया के कुछ बेहतरीन टी-20 क्रिकेटरों का दक्षिण अफ्रीका में स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। ये खिलाड़ी हमारे प्रोटियाज सितारों के साथ खेलेंगे। इसके अलावा हमें दक्षिण अफ्रीका की अगली पीढ़ी के होनहार युवा खिलाड़ियों को भी खेलते देखने का मौका मिलेगा।

ग्रीम स्मिथ ने आगे कहा कि हर सीजन के साथ क्रिकेट का स्तर बेहतर हो रहा है और पांचवें सीजन में भी यही देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि एसए20 हर वर्ग के क्रिकेट प्रेमियों के लिए है। चाहे कोई लंबे समय से क्रिकेट देख रहा हो, पहली बार अपने बच्चों के साथ स्टेडियम आ रहा हो या दोस्तों के साथ मनोरंजन के लिए पहुंच रहा हो, इस लीग में सभी के लिए कुछ न कुछ खास है।

सीजन का पहला मुकाबला 17 जनवरी को ग्केबेरहा में खेला जाएगा, जहां तीन बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप का सामना प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा। लीग का आयोजन दक्षिण अफ्रीका के छह प्रमुख शहरों पार्ल, प्रिटोरिया, डरबन, केपटाउन, जोहान्सबर्ग और ग्केबेरहा में किया जाएगा। शुरुआती सप्ताह में लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। सप्ताहांत में डबल हेडर मुकाबले भी खेले जाएंगे। इससे प्रशंसकों को एक ही दिन में दो मैचों का आनंद लेने का मौका मिलेगा।

हार्दिक सिंह ने पूरे किए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

मोहाली,एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में 200 मैच खेलने की उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने यह मुकाम हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 के फाइनल में जापान के खिलाफ मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हासिल किया। हॉकी इंडिया ने इस उपलब्धि पर हार्दिक को बधाई दी है।

इस खास मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हार्दिक को 200 नंबर वाली विशेष जर्सी भेंट की। 28 वर्षीय मिडफील्डर के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी यादगार रही, क्योंकि इसी मैदान पर उन्होंने हॉकी का शुरुआती प्रशिक्षण लिया था। वर्ष 2013 में हॉकी इंडिया लीग के दौरान वह इसी स्टेडियम में बॉल-बॉय की भूमिका भी निभा चुके हैं। हार्दिक ने 2018 में सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। इसके बाद से वह भारतीय टीम के मिडफील्ड की अहम कड़ी बने हुए हैं। वह टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दो कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा उन्होंने 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों और 2026 एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में योगदान दिया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भी उन्होंने रजत पदक जीता। हार्दिक के खाते में 2018 और 2023 की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के स्वर्ण, 2021 संस्करण का कांस्य और 2025 एशिया कप का स्वर्ण पदक भी शामिल है। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए उन्हें 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2023 में उन्हें एफआईएच का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने हार्दिक को बधाई देते हुए कहा कि 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करना भारतीय हॉकी के लिए गर्व का अवसर है। यह उनकी मेहनत, निरंतरता और टीम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने हार्दिक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस उपलब्धि को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि हार्दिक ने वर्षों से भारतीय मिडफील्ड में अपनी अहम जगह बनाई है। ओलंपिक, एशियाई खेलों और अन्य बड़े टूर्नामेंटों में भारत की सफलता में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि जिस मोहाली में हार्दिक ने हॉकी का सफर शुरू किया था, वहीं 200 मैच पूरे करना इस उपलब्धि को और खास बनाता है।



आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए मार्को यानसेन, अराफात मिन्हास और शाई होप नामांकित

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अक्टूबर महीने के लिए पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। इनमें दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर मार्को यानसेन, पाकिस्तान के युवा ऑलराउंडर अराफात मिन्हास और वेस्टइंडीज के अनुभवी बल्लेबाज शाई होप हैं। तीनों खिलाड़ियों ने अक्टूबर में अपनी-अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन से जीत में अहम भूमिका निभाई।



मार्को यानसेन (दक्षिण अफ्रीका)दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर मार्को यानसेन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। उनके बेहतरीन योगदान की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। यानसेन का सबसे यादगार प्रदर्शन गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में देखने को मिला। उन्होंने पहली पारी में 85 रन बनाने के साथ कुल छह विकेट हासिल किए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने यह टेस्ट पारी और 31 रन से जाती। सीरीज के निर्णायक तीसरे टेस्ट में भी उन्होंने अर्धशतक लगाया और तीन विकेट हासिल किए। उनके लगातार शानदार प्रदर्शन का फायदा उन्हें आईसीसी पुरुष टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में मिला, जहां वह शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। अराफात मिन्हास (पाकिस्तान)पाकिस्तान के ऑलराउंडर अराफात मिन्हास ने घरेलू मैदान पर खेली गई वनडे त्रिकोणीय सीरीज में बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। उन्होंने पांच मुकाबलों में 149 रन बनाए और नौ विकेट हासिल किए। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में मिन्हास ने 59 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली और गेंदबाजी में 40 रन देकर छह विकेट झटके। यह घरेलू मैदान पर किसी पाकिस्तानी गेंदबाज का वनडे क्रिकेट में दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा। मिन्हास ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में भी 31 गेंदों पर नाबाद 61 रन की पारी खेली और पाकिस्तान को 326 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। उन्हें टूर्नामेंट का प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। शाई होप (वेस्टइंडीज)वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शाई होप के लिए अक्टूबर का महीना बेहद शानदार रहा। उन्होंने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में कई मैच जिताऊ पारियां खेलीं। होप ने न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में नाबाद 162 रन की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने 352 रन का लक्ष्य हासिल किया। यह वनडे क्रिकेट में वेस्टइंडीज का अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इसके बाद पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी होप का बल्ला जमकर चला। उन्होंने इस सीरीज में दो शतक लगाए। चौथे टी-20 मुकाबले में उन्होंने महज 50 गेंदों पर नाबाद 102 रन की पारी खेली। होप ने पूरी टी-20 सीरीज में निरंतरता बनाए रखी और कुल 261 रन बनाए।

महिला वर्ग में दीप्ति शर्मा 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अक्टूबर महीने के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। महिला वर्ग में भारत की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, बांग्लादेश की बल्लेबाज शोभना मोस्तरी और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को जगह मिली है। तीनों खिलाड़ियों ने अक्टूबर में बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीमों की सफलता में अहम योगदान दिया।

दीप्ति शर्मा (भारत)भारतीय टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के लिए अक्टूबर का महीना शानदार रहा। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी-20 दोनों सीरीज में बल्ले और गेंद से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। दीप्ति का सबसे यादगार प्रदर्शन वडोदरा में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में देखने को मिला। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का दूसरा शतक लगाया और इसके बाद गेंदबाजी में भी तीन विकेट हासिल किए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 121 रन की बड़ी जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम की। इससे पहले रायपुर में खेले गए पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भी दीप्ति ने तेजतर्रार 49 रन की पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी थी। इसके अलावा उन्होंने टी-20 सीरीज के बाकी मुकाबलों में दो विकेट हासिल किए, जिससे भारतीय टीम ने सीरीज में क्लीन स्वीप किया। वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भी दीप्ति ने दो विकेट लिए थे। इस तरह उन्होंने पूरे महीने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से भारतीय टीम को मजबूती दी। शोभना मोस्तरी (बांग्लादेश)बांग्लादेश की शोभना मोस्तरी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए मुकाबले में 134 गेंदों पर 118 रन की शानदार पारी खेली। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में बांग्लादेश की किसी महिला खिलाड़ी द्वारा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। अपनी इस पारी के दौरान मोस्तरी ने 18 चौके लगाए और बांग्लादेश को निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 220 रन के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि, उनका यह प्रदर्शन टीम को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा और बांग्लादेश को मैच के साथ सीरीज में भी हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद मोस्तरी ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 43 की औसत से कुल 129 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। एनाबेल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया)ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने भी अक्टूबर में बल्ले और गेंद दोनों से लगातार शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में अहम योगदान दिया। बांग्लादेश के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में सदरलैंड ने गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए और बल्लेबाजी में नाबाद 25 रन बनाए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट से आसान जीत दर्ज की। सीरीज के आखिरी वनडे मुकाबले में भी सदरलैंड ने नाबाद 74 रन की शानदार पारी खेली और मैच में दो विकेट भी हासिल किए।

एक नजर

बैंकिंग संकट के बीच पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने दिया इस्तीफा



असुनसियोन,एजेंसी। पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने गुरुवार को बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया। डिजिटल ऋणदाता बैंक यूएनो के पतन के बाद पैदा हुए वित्तीय संकट ने उनकी सरकार को मुश्किल में डाल दिया था। बैंक के करीब 30 लाख ग्राहक अपने खातों तक पहुंच नहीं पा रहे हैं। विपक्ष ने राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी भी कर ली थी। पेना ने गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि उन्होंने देश की स्थिरता, सामाजिक शांति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा को ध्यान में रखते हुए पद छोड़ने का फैसला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी माने जाने वाले पेना के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना उनके स्थान पर पदभार संभालेंगे। राष्ट्रपति के खिलाफ राजनीतिक दबाव उस समय और बढ़ गया, जब विपक्ष ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर महाभियोग प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया शुरू करने की पहल की। राजधानी सहित कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने भी उनके इस्तीफे की मांग की। गुरुवार को पेना को अपनी ही रूढ़िवादी पार्टी के कुछ सदस्यों का समर्थन भी खोना पड़ा। अपने विदाई संदेश में पेना ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी इच्छा है कि जमा की गई धनराशि की वापसी सुनिश्चित हो, जमा गारंटी कोष अपनी जिम्मेदारी निभाए और सार्वजनिक धन के साथ-साथ पराग्वे के नागरिकों के संसाधनों की सुरक्षा हो।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन और टैंकर क्षतिग्रस्त, ईरान ने बढ़ाया दबाव



दुबई। खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ईरान ने गुरुवार को दावा किया कि तीन और तेल टैंकर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इससे क्षेत्र में समुद्री परिवहन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ईरान ने संकेत दिया है कि जब तक युद्ध का समाधान नहीं निकलता, इस अहम समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर खतरा बना रहेगा। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने गुरुवार को कहा कि दो टैंकर समुद्री बारूदी सुरंगों की चपेट में आए, जबकि एक अन्य में आग लग गई। वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के सामने किसी भी तरह के झुकाव से इनकार करते हुए कहा कि सत्ता में कोई भी दल आए, अमेरिका का ईरान के प्रति रवैया शत्रुतापूर्ण ही रहेगा। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगने और कांग्रेस पर उसका नियंत्रण खत्म होने के बाद युद्ध की राजनीतिक कीमत को लेकर वाशिंगटन में बहस तेज हो गई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखकर पार्टी की हार के लिए युद्ध को जिम्मेदार ठहराया था। इस पर ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर कलीबाफ ने गुरुवार को तंज कसते हुए वेंस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वेंस ने ट्रंप को युद्ध में और हमले करने से रोकने के बजाय उन्हें एक हताश जुआरी की तरह दांव बढ़ाने दिया। कलीबाफ ने कहा कि यदि वेंस युद्ध को गलती मानते हैं तो उन्हें ट्रंप से इसे खत्म करने के लिए कहना चाहिए। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, 'लंबा भाषण देने के बजाय यह बात अपने बॉस से क्यों नहीं कहते?

फ्रांस के स्कूल में आग लगाने की घटना, शिक्षा मंत्री ने की कड़ी निंदा



पेरिस। फ्रांस के दक्षिणी शहर टूलूज के पास एक स्कूल में आगजनी की घटना के बाद शिक्षा मंत्री एडुआर जेफ्रे ने इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे जानबूझकर अंजाम दिया गया आपराधिक कृत्य बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों और स्कूल कर्मचारियों की जान खतरे में पड़ गई थी। घटना के बाद स्कूल को खाली कराना पड़ा। शिक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि कुछ लोगों ने टुर्नफुइल स्थित लिसे फ्रांस्वा स्कूल में आग लगा दी। उन्होंने इस घटना को आपराधिक और बेहद निंदनीय बताया। मंत्री ने आग पर काबू पाने और नुकसान को सीमित करने के लिए दमकलकर्मियों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की। जेफ्रे ने कहा कि आगजनी की इस सुनियोजित घटना के गंभीर और दुखद परिणाम हो सकते थे। उन्होंने इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि घटना के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने सभी से इस कृत्य की स्पष्ट रूप से निंदा करने की अपील भी की। इससे पहले, फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया था कि स्कूल की छात्र सेवाओं से जुड़े कार्यालय को निशाना बनाकर आतिशबाजी के उपकरण फेंके गए थे, जिसके बाद आग लगी। घटना के कारण स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा के मद्देनजर विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों को बाहर निकाला गया।

अमेरिका में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के बाद राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। कई रिपब्लिकन सांसद और उनके सहयोगी इस ऐतिहासिक हार का ठीकरा रक्षा मंत्री (बदला पद नाम युद्ध मंत्री) पीट हेगसेथ पर फोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। पेंटागन के इस शीर्ष अधिकारी को पद से हटाने (महाभियोग चलाने) के लिए प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में अगले हफ्ते मतदान हो सकता है। सीएनएन और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, केंटकी से रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने स्पष्ट किया है कि अगले हफ्ते संसद (कांग्रेस) की कार्यवाही फिर से शुरू होगी। इस दौरान वह रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान के लिए दबाव डालेंगे। सूत्रों का मानना है कि यह प्रस्ताव सदन में पारित भी हो सकता है।



हेगसेथ पर बिना कांग्रेस की मंजूरी के ईरान में युद्ध शुरू करने, शक्तियों का दुरुपयोग करने और संवेदनशील सैन्य सूचना लीक करने जैसे गंभीर आरोप हैं। मध्यावधि चुनाव में मिली बड़ी हार के लिए कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसद, हेगसेथ के नेतृत्व को ईरान युद्ध को ही जिम्मेदार मान रहे हैं। सांसद थॉमस मैसी ने एक्स पर कहा है कि यदि हेगसेथ अपने पद से इस्तीफा दे दें तो वह महाभियोग का सामना करने से बच सकते हैं। फ्लोरिडा के नवनिर्वाचित गवर्नर बायरन डोनाल्ड्स (वो अभी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं) ने कहा कि वह हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग के पक्ष में मतदान नहीं करेंगे। हाउस ओवरसाइट समिति के भावी अध्यक्ष प्रतिनिधि रॉबर्ट गार्सिया ने कहा कि ट्रंप से जुड़ी जांच डेमोक्रेट्स को आम लोगों के खर्च कम करने के मुख्य लक्ष्य से नहीं भटकाएगी। उन्होंने चार प्रमुख मुद्दों का जिक्र किया- ट्रंप परिवार के व्यवसाय, आव्रजन कानून का पालन, व्हाइट हाउस बॉलरूम के लिए कॉर्पोरेट चंदा और एपस्टीन फाइलें। दूसरी ओर व्हाइट हाउस में हेगसेथ को हटाने और उनकी जगह नए चेहरों की तलाश की चर्चा है। इनमें फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस का नाम प्रमुख है। मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से हेगसेथ को बर्खास्त करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के लिए सामान्य बहुमत की आवश्यकता होती है। इसके बाद मामला उच्च सदन सीनेट में जाता है। सीनेट में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज कहा कि यह काफी हद तक सच है कि ईरान युद्ध के कारण रिपब्लिकन पार्टी (जीओपी) को करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की बातों को ही दोहराया। सीनेट के डेमोक्रेट्स ने संभावित जांच को देखते हुए संबंधित दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए पत्र जारी किए हैं। मौजूदा और पूर्व अधिकारियों के अनुसार, डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी अब संसद की ओर से शुरू होने वाली कड़ी निगरानी और जांच के लिए तैयार हो रहा है। इस बीच अनुमान जताया गया है कि कि डेमोक्रेट्स प्रतिनिधि सभा में कम से कम 245 सीटें जीतेंगे। सीनेट में दो सीटों पर अभी भी नतीजे स्पष्ट नहीं हैं। मिसिसिपी में परिदृश्य साफ नहीं है, जबकि अलास्का में डेमोक्रेट्स के जीतने की संभावना अधिक है। मिसिसिपी की सीनेट दौड़ के नतीजे अभी तक नहीं आए हैं। यहां से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार स्कॉट कोलोम ने बताया कि उन्हें अपनी जीत का पूरा भरोसा है।

सर्राफा बाजार में और महंगा हुआ सोना, हाजिर चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 3,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में आज 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। दूसरी ओर, एमसीएक्स पर उछाल आने के बावजूद सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरुआती कारोबार में आज भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है। भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,42,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पराग्वे का सबसे बड़ा डिजीटल बैंक हुआ कंगाल, 30 लाख लोगों का पैसा फंसा, जनता सड़कों पर उतरी

असुंसियन,एजेंसी। पराग्वे के सबसे बड़े डिजिटल बैंक 'यूएनो बैंक' के अचानक धराशायी होने के बाद पूरे देश में भीषण वित्तीय और राजनीतिक संकट पैदा हो गया है। बैंक की साख (सॉल्वेंसी रेशियो) कानूनी सीमा से आधी से भी कम रह जाने के कारण सेंट्रल बैंक ऑफ पराग्वे (बीसीपी) ने इसका अधिग्रहण कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद लगभग 30 लाख ग्राहक प्रभावित हुए हैं और राजधानी असुंसियन की सड़कों पर जन आक्रोश फूट पड़ा है। सेंट्रल बैंक द्वारा अधिग्रहण किए जाने के तुरंत बाद यूएनओ बैंक के डिजिटल ऐप, क्रेडिट कार्ड और मनी ट्रांसफर सहित सभी सेवाएं पूरी तरह ठप हो गईं। इससे पराग्वे की लगभग 60 प्रतिशत वयस्क आबादी अपने ही जमा पैसों से वंचित हो गई है। लोगों के सामने दैनिक जरूरतों और लेनदेन के लिए भारी संकट खड़ा हो गया है।

राजनीतिक भूचाल और प्रमुख गिरफ्तारियां

मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रपति सेंटियागो पेन्या के निर्देश पर सेंट्रल बैंक के प्रमुख कार्लोस कारवालो ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कारवालो पहले उसी वित्तीय कंपनी के अध्यक्ष रह चुके थे जो बाद में यूएनो बैंक बनी। उन पर हितों के टकराव और नियामक अनदेखी के गंभीर आरोप लग रहे हैं। दूसरी ओर, आर्थिक अपराध और भ्रष्टाचार निरोधक विशेष इकाई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक के संस्थापक एवं बहुसंख्यक शेयरधारक मिगुएल वाज़क्वेज़ तथा यूएनो बैंक के अध्यक्ष जुआन मैनुअल गुस्ताले सहित आठ शीर्ष अधिकारियों की गिरफ्तारी के आदेश जारी किए हैं।

सरकारी पेंशन फंड भी खतरे में

इस संकट का असर केवल आम नागरिकों तक सीमित नहीं है। राज्य स्वास्थ्य एवं पेंशन फंड के लगभग 38 करोड़ डॉलर की सार्वजनिक सेवानिवृत्ति निधि इस बैंक में फंसी हुई है, जिससे आम जनता के साथ-साथ पेंशनभोगियों में भी भारी अनिश्चितता का माहौल है।

सड़कों पर उतरा जनसैलाब

बैंक बंद होने और खाते फ्रीज होने से गुस्साए हजारों नागरिक, खाताधारक और पेंशनभोगी असुंसियन की सड़कों पर उतर आए। बंद पड़ी बैंक शाखाओं के बाहर भारी भीड़ एकत्र हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने अपना पैसा वापस दिलाने की मांग के साथ-साथ सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। अनेक वीडियो फुटेज में लोग आगजनी और तोड़ फोड़ करते हुए दिखाई दिये।

नेपाल में निवेश सम्मेलन से पहले अनुकूल माहौल बनाने के लिए 59 कानूनों में संशोधन करने की तैयारी

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्री सुनील लम्साल ने कहा है कि सरकार ने निवेश अनुकूल माहौल बनाने के लिए 59 कानूनों में संशोधन के मसौदे तैयार कर लिए हैं। सरकार की योजना निवेश सम्मेलन से पहले आवश्यक कानूनी और नीतिगत सुधारों को पूरा करने की है। काठमांडू में गुरुवार को इंफ्रास्ट्रक्चर समिट-2026 को संबोधित करते हुए मंत्री लम्साल ने स्पष्ट किया कि निवेश सम्मेलन का उद्देश्य केवल विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करना, बड़ी परियोजनाओं की सूची पेश करना और निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करना नहीं होगा। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को निवेश अनुकूल माहौल बनाने के लिए कानूनी सुधारों की जानकारी देना है। इनमें निवेश संरक्षण, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और बाजार की सुनिश्चितता जैसे विषय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नेपाल में निवेशकों को भरोसे के साथ निवेश करने का वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सुशासन, अधिकारों के विकेंद्रीकरण और निवेश संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने विभिन्न नीतिगत सुधारों को आगे बढ़ाया है। निवेशकों के निवेश, श्रमिकों के अधिकारों और बाजार की सुनिश्चितता के लिए आवश्यक कानूनों में संशोधन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ चुकी है। 59 कानूनों में संशोधन के मसौदे तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार निवेश संरक्षण के लिए ऐसी कानूनी व्यवस्था करने की योजना बना रही है, जिससे सरकार की मंजूरी प्राप्त किसी भी परियोजना को कोई भी रोक न सके। मंत्री के अनुसार संशोधन के मसौदे प्रधानमंत्री कार्यालय



को सौंप दिए गए हैं। वहां से संबंधित मंत्रालयों और कानून मंत्रालय के माध्यम से संशोधन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। लम्साल ने कहा कि निवेश सम्मेलन से पहले आवश्यक नियमावली, कार्यविधि और दिशानिर्देश तैयार करना भी हमारा लक्ष्य है। सरकार ने सार्वजनिक खरीद में नेपाली उत्पादों, स्थानीय उद्यमियों और व्यवसायियों को प्राथमिकता देने संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर लागू कर दिया है। आने वाले दिनों में सरकारी और निजी क्षेत्र के निर्माण कार्यों में भी घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहित करने की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक खरीद में नेपाली उत्पादों, उद्यमियों और उद्योगपतियों को प्राथमिकता देने संबंधी दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। नेपाली उत्पाद उपलब्ध होने की स्थिति में सार्वजनिक खरीद में विदेशी उत्पादों का इस्तेमाल नहीं करने की नीति अब कार्यान्वयन के चरण में पहुंच गई है। मंत्री ने कहा कि संसद का सत्र शुरू होने के बाद सरकार सरकारी और निजी क्षेत्र में नेपाली उत्पादों को प्राथमिकता देने संबंधी कानूनी प्रावधान लाने की योजना बना रही है।

जनकपुरधाम-अयोध्या के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन का हुआ ट्रायल रन, पर्यटन और व्यापार को मिलेगी नई रफ्तार

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के जनकपुरधाम और भारत के अयोध्या के बीच प्रस्तावित विशेष ट्रेन सेवा का गुरुवार को ट्रायल रन किया गया है। भारत की विशेष ट्रेन दो इंजन और सात डिब्बों के साथ भारत के जयनगर से नेपाल के जनकपुरधाम स्थित कुर्था स्टेशन तक पहुंची। इस ट्रायल रन से दोनों देशों के बीच रेल संपर्क शुरू होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। धनुषा के मुख्य जिला अधिकारी भूदेव झा के अनुसार बिहार के जयनगर से ट्रायल रन के लिए ट्रेन सुबह 11 बजे जनकपुरधाम पहुंची। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा के दौरान इस सेवा का उद्घाटन करने की तैयारी की जा रही है। ट्रायल रन के दौरान भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम भी ट्रेन में मौजूद थी। इसमें पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर के अपर महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार, रेलवे के ट्रैक ऑपरेशन मैनेजर और मुख्य सुरक्षा कमांडर सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। जयनगर से कुर्था तक के निरीक्षण में नेपाली अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान नेपाल रेलवे कंपनी के प्रबंध निदेशक परिवेश पराजुली, धनुषा के सहायक मुख्य जिला अधिकारी भूदेव झा और धनुषा के पुलिस अधीक्षक रूपेश खड़का सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। गुरुवार को किए गए इस परीक्षण में रेलवे ट्रैक, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रेन संचालन से जुड़े अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की गई।

नेपाल रेलवे कंपनी के प्रबंध निदेशक परिवेश पराजुली के अनुसार विशेष ट्रेन सेवा के संचालन की तैयारियों के तहत यह ट्रायल



रन किया गया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान विशेष ट्रेन सेवा का उद्घाटन करने की तैयारी चल रही है। इसी तैयारी के तहत भारतीय रेलवे के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने ट्रायल रन किया। उन्होंने बताया कि ट्रेन सेवा शुरू करने की तारीख अभी तय नहीं हुई है, क्योंकि संबंधित एजेंसियों की ओर से निरीक्षण का काम जारी है। सभी परिचालन, प्रबंधन, तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी होने के बाद ही सेवा शुरू की जाएगी। पराजुली ने कहा कि सेवा शुरू करने की तारीख अभी अंतिम नहीं हुई है। विभिन्न एजेंसियां निरीक्षण कर रही हैं। सभी पहलुओं की पुष्टि होने के बाद ही ट्रेन संचालन की घोषणा की जाएगी। ट्रेन के संचालन के तरीके, रखरखाव, तकनीकी और प्रशासनिक मामलों पर चर्चा हो रही है। इसी क्रम में मार्ग का स्थलीय परीक्षण किया गया है। सभी तैयारियां पूरी होने के बाद सेवा शुरू होगी। ट्रायल रन के दौरान भारतीय रेलवे के अधिकारियों ने नेपाली रेलवे और सुरक्षा अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। पराजुली ने बताया कि नेपाल की सीमा के भीतर ट्रेन संचालन की जिम्मेदारी नेपाली पक्ष की होगी।उन्होंने कहा कि संचालन का मॉडल अभी तय नहीं हुआ है। फिलहाल सेवा शुरू होने पर भारतीय ट्रेनें ही चलेंगी। भविष्य में नेपाल की ट्रेनों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। नेपाल की सीमा के भीतर परिचालन से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी हमारी होगी, जबकि भारत की सीमा में ट्रेन और उसके संचालन से जुड़े मामलों को भारतीय पक्ष देखेगा। कुछ दिन पहले भी नेपाल और भारत के रेलवे, सुरक्षा, कस्टम और इमिग्रेशन अधिकारियों की टीम ने विशेष निरीक्षण वाहन के जरिए जयनगर-जनकपुरधाम-कुर्था रेलखंड का स्थलीय निरीक्षण किया था।

धार्मिक संबंधों के साथ पर्यटन और व्यापार को मिलेगी मजबूती

जनकपुरधाम और अयोध्या के बीच प्रस्तावित रेल सेवा से जनकपुरधाम में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। माता सीता की जन्मस्थली जनकपुरधाम और भगवान राम की नगरी अयोध्या के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होने से रामायण सर्किट के तहत धार्मिक यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को दोनों धार्मिक स्थलों तक पहुंचने में आसानी होगी। इससे नेपाल और भारत के बीच सदियों पुराने धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूती मिलने की भी उम्मीद जताई जा रही है। मधेश प्रदेश की राजधानी जनकपुरधाम स्थित जनकपुर उद्योग वाणिज्य संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र भंडारी ने कहा कि इस सेवा का सीधा लाभ पूरे नेपाल को मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने भी रेल सेवा शुरू करने की पहल की थी। अब यह संचालन की दिशा में आगे बढ़ रही है। पर्यटकों के आने से निश्चित रूप से जनकपुरधाम के कारोबारियों को फायदा होगा। इसके अलावा, जब ये पर्यटक देश के दूसरे हिस्सों में जाएंगे तो इससे पूरे नेपाल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भंडारी के अनुसार जनकपुरधाम और अयोध्या के बीच हवाई सेवा शुरू करने को लेकर भी कई बार चर्चा हुई है, लेकिन अब तक यह सेवा शुरू नहीं हो सकी है। फिलहाल नेपाल की एकमात्र रेल सेवा महोत्तरी जिले के भंगहा से भारत के जयनगर के बीच संचालित हो रही है।

एक नजर

योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर राज्य कर्मचारियों को दी बड़ी सौगात, बोनस के लिए 1022 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने दीपावली के पावन अवसर पर राज्य कर्मचारियों को बड़ी सौगात देते हुए बोनस के भुगतान के लिए 1022 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। सरकार के इस कर्मचारी हितैषी निर्णय से पात्र कर्मचारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा तथा उनके परिवारों में त्योहार की खुशियां और बढ़ेंगी। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने गुरुवार को इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी पात्र कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं संवेदनशील दृष्टिकोण के कारण प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों के संरक्षण, आर्थिक सुरक्षा एवं कल्याण के लिए निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। बोनस की स्वीकृति कर्मचारियों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और उनके योगदान के सम्मान का प्रतीक है। वित्त मंत्री ने सभी कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि दीपावली का यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और समृद्धि का संचार करे।

झारखंड ग्रामीण बैंक के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर चर्चा

रांची,एजेंसी। झारखंड ग्रामीण बैंक के वरीय अधिकारियों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान राज्य में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार और आम लोगों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम लोगों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए विशेष विजन के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें बैंकिंग संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुलाकात के दौरान झारखंड ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मदन मोहन बरियार, महाप्रबंधक सिंकू कुमार परिरा और सहायक महाप्रबंधक संजय कुमार मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बैंक की भूमिका और कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम लोगों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए विशेष विजन के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें बैंकिंग संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुलाकात के दौरान झारखंड ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मदन मोहन बरियार, महाप्रबंधक सिंकू कुमार परिरा और सहायक महाप्रबंधक संजय कुमार मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बैंक की भूमिका और कार्यों की सराहना की।

हैदराबाद : सांसद ओवैसी ने उर्दू माध्यम के 1,700 छात्रों की परीक्षा फीस में की मदद

हैदराबाद,एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम।) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को 'मजलिस चैरिटीज़ एजुकेशनल एंड रिलीफ ट्रस्ट' के तहत सरकारी उर्दू-माध्यम के 1,700 छात्रों को सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट (एसएससी) परीक्षा शुल्क की सहायता राशि वितरित की। एआईएमआईएम की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक सितंबर में कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों के बीच स्कूल बैग, लॉन्ग नोटबुक और गाइड सेट से युक्त 12,000 शैक्षणिक किट बांटी गई थीं, जिसके बाद अक्टूबर में पूरे तेलंगाना में कक्षा 10 के लगभग 8,000 छात्रों को 'ऑल-इन-वन स्टडी मटेरियल' वितरित किया गया था। इस वर्ष शैक्षणिक सहायता पर लगभग 86 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पार्टी की ओर बताया गया कि पिछले 21 वर्षों में ट्रस्ट ने जरूरतमंद और वंचित छात्रों के लिए शैक्षणिक किट, एसएससी परीक्षा शुल्क, एसएससी टॉपरों के लिए नकद पुरस्कार और अध्ययन सामग्री पर लगभग 10.50 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। कार्यक्रम में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मुसलमानों का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 40 प्रतिशत है, जबकि तेलंगाना में यह 36 प्रतिशत दर्ज है, जिसे उन्होंने भारतीय राज्यों में सबसे अधिक बताया।

चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा बहाल किया जाए: जमाअत-ए-इस्लामी हिंद



नई दिल्ली,एजेंसी। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची में अनियमित्ताओं की आशंकाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि इन मतदाता सूचियों के आधार पर आगामी विधानसभा चुनाव नहीं कराए जाने चाहिए। एसआईआर और आगामी विधानसभा चुनावों पर बात करते हुए जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर एवं एपीसीआर के सचिव नदीम खान ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और ईमानदारी तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के आचरण को लेकर गंभीर आशंकाएं हैं। अगर उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में होने वाले विधानसभा चुनाव इन चिंताओं को दूर किए बिना कराए जाते हैं तो यह पिछले चुनावों की ही पुनरावृत्ति होगी जिसमें लाखों योग्य मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाए थे।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने कहा कि जमाअत राजनीतिक प्रतिशोध के लिए आपराधिक कार्यवाही और जांच एजेंसियों के इस्तेमाल की कड़ी निंदा करती है। ऐसी प्रथाएं संस्थानों में जनता के विश्वास को कमजोर करती हैं। प्रो. सलीम इंजीनियर ने सर्दी के संबंध में तैयारियों और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर भारत सरकार और राज्य सरकारों से आग्रह किया है कि आने वाली सर्दियों में लोगों को बचाने के लिए समय रहते उचित कदम उठाएं। सरकार रैन बसेरों का विस्तार करे और उनमें सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराए, लोगों तक गर्म कंबल और कपड़े पहुंचाए, उन्हें गर्म भोजन दे और अधिक जोखिम वाले इलाकों में मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयां स्थापित करे। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के नेताओं की ओर से खतरनाक वायु प्रदूषण को रोकने के उपाय करने, निर्माण कार्य से उड़ने वाली धूल और कचरा जलाने के खिलाफ सख्ती बरतने तथा प्रभावित क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए समन्वित कदम उठाने की भी मांग की गयी। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के खतरनाक स्तर तक पहुँचने से पहले ही बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए सार्वजनिक जानकारी, निगरानी और स्वास्थ्य सुरक्षा के इंतजाम होने चाहिए।

उर्दू भाषा के संरक्षण के लिए आगे आएं युवा पीढ़ी, 108 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

रामगढ़,एजेंसी। उर्दू भाषा और तहजीब के संरक्षण और नई पीढ़ी में इसके प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से अंजुमन फरोग-ए-उर्दू, रामगढ़ प्रखंड इकाई की ओर से गुरुवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय जरियो में प्रखंड स्तरीय उर्दू प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए 108 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें उर्दू सामान्य ज्ञान और उर्दू सुलेख की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और भाषा पर पकड़ का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता प्रभारी इकबाल अहमद की देखरेख और पर्यवेक्षक रमीज-उर-रहमान के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। प्रतिभागियों को तीन वर्गों में बांटा गया था। जूनियर वर्ग में 11 से 14 वर्ष, मिडिल वर्ग में 15 से 18 वर्ष और सीनियर वर्ग में 19 से 22 वर्ष तक के विद्यार्थियों को शामिल किया गया। उर्दू सामान्य ज्ञान की सीनियर श्रेणी में नेहा परवीन ने प्रथम, इरम फातिमा ने द्वितीय और नेमत जमील ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिडिल श्रेणी में फिरदौश अंजुम प्रथम, रानी परवीन द्वितीय और शहाना परवीन तृतीय रहीं। वहीं जूनियर श्रेणी में सना फिरदौश ने प्रथम, तसबीहा फिरदौश ने द्वितीय और मोजाहिद रजा ने तृतीय स्थान हासिल किया। उर्दू सुलेख की सीनियर श्रेणी में सलमा परवीन प्रथम, सायरा मुस्तफा द्वितीय और फिरदौश जहां तृतीय स्थान पर रहीं। मिडिल श्रेणी में शहजादा बेलाल ने प्रथम, मो. साजिद अंसारी ने द्वितीय और हबीबा परवीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर श्रेणी में मो. अब्दुल्लाह प्रथम, अबू रेहान अंसारी द्वितीय और मेहर परवीन तृतीय स्थान पर रहीं। अंजुमन फरोग-ए-उर्दू के जिला कमेटी सदस्य सह रामगढ़ प्रखंड प्रभारी इकबाल अहमद ने बताया कि प्रत्येक वर्ग की दोनों प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 18 प्रतिभागियों को जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक वर्ग के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा। वहां चयनित प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा। जिला कमेटी सदस्य सह प्रखंड पर्यवेक्षक रमीज-उर-रहमान ने कहा कि अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा की जिम्मेदारी हमें स्वयं उठानी होगी। उर्दू हमारी मातृभाषा है और इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। इस तरह की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य बच्चों में उर्दू पढ़ने-लिखने के प्रति रुचि जगाना, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

अमेरिकी चुनाव समेत पांच कारकों ने घरेलू शेयर बाजार में भरा तूफानी जोश

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार छठे कारोबारी दिन जबरदस्त तेजी का माहौल बना रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज कारोबार के दौरान 2100 अंकों से भी अधिक उछल गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लंबी अवधि के बाद क्लोजिंग बेसिस पर 24,500 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करने में सफल रहा। निफ्टी ने क्लोजिंग के आधार पर करीब तीन महीने बाद इस बड़े स्तर को दोबारा छुआ है।

बाजार में आई इस तूफानी तेजी के चलते आज लॉर्जकैप के चुनिंदा शेयरों में तो खरीदारी होती ही रही, ब्रॉडर मार्केट में उत्साह का माहौल बना रहा। इसकी वजह से मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी अच्छी मजबूती के साथ बंद हुए। धनतेरस के त्योहार से ठीक एक दिन पहले आई इस बंपर तेजी की बदौलत आज सिर्फ एक ही दिन में निवेशकों की पूंजी में सात लाख करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा इजाफा दर्ज किया गया है। हालांकि, इस ऐतिहासिक उछाल के बीच बाजार में आगामी उतार-चढ़ाव को मापने वाला इंडिकेटर इंडिया वीआईएक्स भी ढाई प्रतिशत बढ़कर 15.57 के स्तर पर पहुंच गया है, जो शॉर्ट टर्म में बाजार के भीतर वोलैटिलिटी बढ़ने की आशंका को दर्शाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि घरेलू शेयर बाजार में आज आई इस जोरदार तेजी का श्रेय मुख्य रूप से पांच बड़े वैश्विक और घरेलू कारकों को दिया जा सकता है। इस तेजी की सबसे पहली और सबसे बड़ी वजह अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव के नतीजे हैं, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी ने वहां की संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों पर अपना पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका में विपक्ष की इस धमाकेदार जीत से डोनाल्ड ट्रंप के पास राजनीतिक ताकत कम हो जाएगी, जिससे उनके लिए मिडिल ईस्ट में ईरान के साथ चल रहे युद्ध को और आगे बढ़ाना या कोई बड़ा सैन्य कदम उठाना काफी मुश्किल हो जाएगा। जियो पॉलिटिकल टेंशन कम होने की इस उम्मीद ने अमेरिका से लेकर भारतीय शेयर बाजार तक के निवेशकों में भारी उत्साह भर दिया।

इसी उत्साह की वजह से आज बाजार शानदार तेजी हासिल करने में सफल रहा। बाजार की इस तेज छलांग के पीछे दूसरा सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण कारक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई ऐतिहासिक गिरावट है। अमेरिका में सत्ता के संतुलन में आए इस बड़े बदलाव के बाद ओवरनाइट कारोबार के दौरान कच्चे तेल के भाव में आठ-आठ प्रतिशत की भारी फिसलन देखी गई, जिससे तेल की कीमत पहले प्रति बैरल 100 डॉलर और फिर 95 डॉलर के भी नीचे आ गईं। ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड फिसल कर 95 डॉलर के करीब आ गया, वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी टूट कर 88 डॉलर प्रति बैरल के पास आ गया।

बेंगलुरु: एसआईआर रद्द करने की मांग को लेकर विपक्षी इंडी गठबंधन का प्रदर्शन

बेंगलुरु,एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया रद्द करने, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और आवेदन फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग की जांच की मांग को लेकर कांग्रेस की अगुवाई में इंडी गठबंधन ने बुधवार को यहां फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और केपीसीसी अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने केंद्र सरकार, भाजपा और निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। नेताओं ने आंदोलन को राज्य के सभी जिलों तक विस्तारित करने की घोषणा की।



मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन फॉर्म-7 के दुरुपयोग और कथित तौर पर मत चोरी को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ राज्य सरकार पुलिस जांच कराकर कानूनी कार्रवाई करेगी। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यालय से ही फॉर्म-7 छपवाकर मतदाताओं के नाम, पहचान पत्र संख्या और मोबाइल नंबर के साथ विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं को भेजे गए थे। इसके जरिए अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के 10 से 20 हजार मतों को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हटाने की साजिश रची गई थी। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी, विजयपुर और बेंगलुरु में सौम्या रेड्डी के निर्वाचन क्षेत्र सहित कई जगहों पर हजारों मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास किया गया। प्रकाश राज और नूर श्रीधर के नेतृत्व वाली टीम ने सैकड़ों निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर कथित अनियमितताओं पर रिपोर्ट तैयार की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि फॉर्म-7 के दुरुपयोग के खिलाफ मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ निर्वाचन आयोग के कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद अधिकारियों को ऐसे आवेदनों पर विचार नहीं करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में 65 लाख, कर्नाटक में करीब एक करोड़ और हरियाणा में 25 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एसआईआर प्रक्रिया को कानून और संविधान की भावना के विरुद्ध बताते हुए इसे तत्काल रद्द करने तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित चयन समिति से उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर उनकी जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल करने से केंद्र सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया में अपना प्रभाव बढ़ा लिया है। ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आपत्ति जताई थी, इसके बावजूद नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। सिद्धारमैया ने दावा किया कि कर्नाटक में पुनरीक्षण से पहले करीब 5.54 करोड़ मतदाता थे, जो बाद में घटकर लगभग 4.55 करोड़ रह गए। इस प्रकार 99 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कम हुए हैं। इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने के कारण निर्वाचन आयोग को सार्वजनिक करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने घोषणा की कि एसआईआर रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर राज्य के जिला एवं तालुका मुख्यालयों में भी आंदोलन किया जाएगा। केपीसीसी अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने आरोप लगाया कि देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने वाला निर्वाचन आयोग अपनी स्वायत्तता खो चुका है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग अब 'चयन आयोग' बनकर रह गया है। हरिप्रसाद ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर देशभर में करीब 15 करोड़ पात्र मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर बड़े हनुमान मंदिर में गूंजे वैदिक मंत्र, पंच दुर्गा और वास्तु पूजन हवन संपन्न

महंत बलवीर गिरि जी महाराज के सानिध्य में हुए धार्मिक अनुष्ठान, प्रतिदिन भंडारे में श्रद्धालु ग्रहण कर रहे प्रसाद

प्रयागराज,एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध संगम स्थित श्री बड़े हनुमान जी मंदिर में कार्तिक माह के पावन अवसर पर मनाए जा रहे पांच दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ पंच दुर्गा हवन एवं वास्तु पूजन हवन संपन्न हुआ। निरंजनी अखाड़े के महंत एवं बाघंबरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बलवीर गिरि जी महाराज के सानिध्य में दक्षिण भारत से आए ब्राह्मणों और उत्तर भारत के विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न कराए। हवन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। सुबह मंदिर परिसर में पंच दुर्गा हवन का आयोजन किया गया। इसमें आम की लकड़ी और गोबर के उपलों के साथ काले-सफेद तिल, जौ, अक्षत, शुद्ध गाय का घी, लौंग, इलायची, शक्कर, गुड़ और पंचमेवा सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों की आहुतियां दी गईं। सूखा नारियल, कलावा, लाल वस्त्र और पीतल के कलश भी हवन में अर्पित किए गए। अनुष्ठान के समापन पर महाआरती हुई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया।

संध्या बेला में मंदिर परिसर में वास्तु पूजन हवन कराया गया। विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रों के साथ विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। इसमें श्रद्धालुओं ने भी भाग लेकर धार्मिक अनुष्ठान में



अपनी सहभागिता निभाई। पूर्वजों की परंपरा और सनातन संस्कृति से जुड़ने का अवसर है जन्मोत्सव : महंत बलवीर गिरिमहंत बलवीर गिरि जी महाराज ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भगवान हनुमान के आदर्शों, भक्ति, सेवा, समर्पण और शक्ति को अपने जीवन में उतारने का अवसर है। बजरंगबली की आराधना से भक्तों को साहस, संयम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी सनातन परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान हनुमान के आदर्शों को जीवन में अपनाने और सेवा भाव के साथ समाज के कल्याण में योगदान देने का आह्वान किया। महंत बलवीर गिरि जी महाराज ने हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियों का जायजा लेकर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। उत्सव के चलते मंदिर में सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। फूलों से सजे मंदिर परिसर में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा। मंदिर में प्रतिदिन भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।शुक्रवार को होंगे हनुमान मूल मंत्र और कलश स्थापना अधिवास हवनपांच दिवसीय धार्मिक आयोजन के चौथे दिन शुक्रवार को सुबह हनुमान मूल मंत्र हवन और शाम को कलश स्थापना अधिवास हवन कराया जाएगा। जन्मोत्सव के तहत प्रतिदिन पूजा-अर्चना, हवन, आरती और भंडारे के माध्यम से श्रद्धालु बजरंगबली की आराधना कर रहे हैं।



मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)